National Testing Agency

Question Paper Name :	02 24052023 01new
Subject Name :	24MayShift2 Subject Combination 1
Creation Date :	2023-05-24 18:43:43
Duration :	90
Total Marks :	400
Display Marks:	Yes

Maithili

Group Number :	1
Group Id :	54025016
Group Maximum Duration :	45
Group Minimum Duration :	45
Show Attended Group? :	No
Edit Attended Group? :	No
Break time :	0
Group Marks :	200
Is this Group for Examiner? :	No
Examiner permission :	Cant View
Show Progress Bar? :	No

downloaded from StudentSuvidha.com

Maithili

Section Id :	54025016
Section Number :	1

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

Section type :	Online
Mandatory or Optional :	Mandatory
Number of Questions :	50
Number of Questions to be attempted :	40
Section Marks :	200
Enable Mark as Answered Mark for Review and Clear Response :	Yes
Maximum Instruction Time :	0
Sub-Section Number :	1
Sub-Section Id :	54025050
Question Shuffling Allowed :	No
Is Section Default? :	null

Question Number : 1 Question Id : 540250971 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	Comp1

downloaded from StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कैं ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

भारतीय संविधानक मुख्य निर्माता आ बाबा साहेबक नामसँ विख्यात डॉ. भीमराव रामजी अंबेदकरक जन्म 14 अप्रैल 1891 कैं तत्कालीन सेंट्रल प्रांत (आब मध्य प्रदेश) मे ब्रिटिश सरकार द्वारा स्थापित शहर आ सैनिक छावनी मोहवामे हिन्दू महार जाति परिवारमे भेल छलनि। महार जाति अस्पृश्य बूझल जाइत रहैक। डा. अंबेदकर अपन पिता रामजी मालोजी आ माता भीमा बाई मुबादकरक चौदहम एवं अंतिम संतान रहथि। ओना तँ हुनक परिवारक पृष्ठभूमि आधुनिक महाराष्ट्रक रत्नगिरी जिलामे अंबेदकर शहर रहनि। अंबेदकर वंशज दीर्घ अवधि धरि ब्रिटिश इस्ट इंडिया कम्पनीक सेनामे कार्यरत रहथि। प्रतिभासंपन्न डा. भीमराव अंबेदकरक पिता भारतीय सेनाक मोहवामे सुबेदारक पद धरि कार्यरत रहलाह। डा. अंबेदकरक पिता रामजी सकपाल अपन धीयापूताकैं हिन्दू विषय पढ़बाक लेल प्रोत्साहित कयलनि। सकपाल साहेब धीयापूताकैं सरकारी स्कूलमे पढ़ेबाक प्रयासमे सफलता प्राप्त कयलनि, किएक तँ ओहि समयमे जातिक विरोध सेहो होइत रहैक। रामजी सकपाल जखन 1894 मे अवकाशग्रहण कयलनि तँ हुनक परिवार सतारा चल गेलनि। संयोग एहन जे भीमरावक माताक देहांत भऽ गेलनि। मात्र तीन पुत्र बलराम, आंनन्द राव आ भीमराव एवं दू पुत्री - मंजुला आ तुलासामे सँ मात्र भीमराव परीक्षा सभमे सफलता प्राप्त कयलनि। आगू पढ़लनि। हुनक गामक नाम रहनि अंबेद। 'अंबेद' रत्नागिरी जिलामे रहैक। तेँ हुनक (भीमराव) पिता सकपाल अपन गामक नाम पर एकटा ब्राह्मण शिक्षकक सलाह पर 'अंबेदकर' रखलनि।

जीवनमे उतार-चढ़ाव प्रकृतिक नियम छैक। ई बात अंबेदकरक संग सेहो घटित होइत अछि। हुनक पिता रामजी सकपाल 1898 मे पुनः विवाह कयलनि। हुनक परिवार तखन बम्बई (आब मुंबई) मे रहय लागल। भीमराव बम्बईक एलीफिंस्टन रोडक समीप सरकारी उच्च विद्यालयमे पहिल अस्पृश्य विद्यार्थी रहथि। 1907 मे भीमराव अपन अद्भुत प्रतिभाक परिचय देलनि आ ओ बम्बई विश्वविद्यालयसँ मैट्रिक परीक्षोत्तीर्ण भेलाह। ओ पहिल अस्पृश्य युवक रहथि जे भारतक कालेजमे दाखिल भेलाह। ओही समयमे हुनक विवाह दपोलीक नौवर्षीय बालिका रामाबाई संग हिन्दू रीति-रिवाजसँ भऽ गेलनि।

हुनक संघर्षमय जीवनमे नव उत्साहक माहौल बनलनि। 1908 मे भीमराव एलफिंस्टन कालेजमे नाम लिखौलनि आ हुनका बड़ौदाक गायकवाड शासकसँ पच्चीस टाकाक छात्रवृत्ति प्रतिमाह भेटय लगलनि। एतबे नहि, बड़ौदाक गायकवाड शासक, सहयाजी राव तृतीय हुनका संयुक्त राष्ट्र अमेरिकामे उच्च शिक्षामे अध्ययन करबाक लेल छात्रवृत्तिक व्यवस्था सेहो कऽ देलखिन। कहलो जाइत छैक जे "जखन नीक दिन अबैत छैक तँ माटि छुलासँ सोन भऽ जाइत छैक आ अधलाह दिनमे सोन छुलो सँ माटि।" ई प्रकृतिक यथार्थताक बोध करबैत अछि।

बाबा साहेबक नामसँ विख्यात भेलाह?

(1) भीमराव अंबेदकर

(2) गोपालकृष्ण गोखले

(3) सुभाषचन्द्र बोस

(4) वल्लभ भाई पटेल

Options :

5402503881. 1

5402503882. 2

5402503883. 3

5402503884. 4

StudentSuvidha.com
download from

Question Number : 2 Question Id : 540250972 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp1

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कँ ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

भारतीय संविधानक मुख्य निर्माता आ बाबा साहेबक नामसँ विख्यात डॉ. भीमराव रामजी अंबेदकरक जन्म 14 अप्रैल 1891 कँ तत्कालीन सेंट्रल प्रांत (आब मध्य प्रदेश) मे ब्रिटिश सरकार द्वारा स्थापित शहर आ सैनिक छावनी मोहवामे हिन्दू महार जाति परिवारमे भेल छलनि। महार जाति अस्पृश्य बूझल जाइत रहैक। डा. अंबेदकर अपन पिता रामजी मालोजी आ माता भीमा बाई मुबादकरक चौदहम एवं अंतिम संतान रहथि। ओना तँ हुनक परिवारक पृष्ठभूमि आधुनिक महाराष्ट्रक रत्नगिरी जिलामे अंबेदकर शहर रहनि। अंबेदकर वंशज दीर्घ अवधि धरि ब्रिटिश इस्ट इंडिया कम्पनीक सेनामे कार्यरत रहथि। प्रतिभासंपन्न डा. भीमराव अंबेदकरक पिता भारतीय सेनाक मोहवामे सुबेदारक पद धरि कार्यरत रहलाह। डा. अंबेदकरक पिता रामजी सकपाल अपन धीयापूताकँ हिन्दू विषय पढ़बाक लेल प्रोत्साहित कयलनि। सकपाल साहेब धीयापूताकँ सरकारी स्कूलमे पढ़ेबाक प्रयासमे सफलता प्राप्त कयलनि, किएक तँ ओहि समयमे जातिक विरोध सेहो होइत रहैक। रामजी सकपाल जखन 1894 मे अवकाशग्रहण कयलनि तँ हुनक परिवार सतारा चल गेलनि। संयोग एहन जे भीमरावक माताक देहांत भऽ गेलनि। मात्र तीन पुत्र बलराम, आंनन्द राव आ भीमराव एवं दू पुत्री - मंजुला आ तुलासामे सँ मात्र भीमराव परीक्षा सभमे सफलता प्राप्त कयलनि। आगू पढ़लनि। हुनक गामक नाम रहनि अंबेद। 'अंबेद' रत्नागिरी जिलामे रहैक। तँ हुनक (भीमराव) पिता सकपाल अपन गामक नाम पर एकटा ब्राह्मण शिक्षकक सलाह पर 'अंबेदकर' रखलनि।

जीवनमे उतार-चढ़ाव प्रकृतिक नियम छैक। ई बात अंबेदकरक संग सेहो घटित होइत अछि। हुनक पिता रामजी सकपाल 1898 मे पुन: विवाह कयलनि। हुनक परिवार तखन बम्बई (आब मुंबई) मे रहय लागल। भीमराव बम्बईक एलीफिंस्टन रोडक समीप सरकारी उच्च विद्यालयमे पहिल अस्पृश्य विद्यार्थी रहथि। 1907 मे भीमराव अपन अद्‌भुत प्रतिभाक परिचय देलनि आ ओ बम्बई विश्वविद्यालयसँ मैट्रिक परीक्षोत्तीर्ण भेलाह। ओ पहिल अस्पृश्य युवक रहथि जे भारतक कालेजमे दाखिल भेलाह। ओही समयमे हुनक विवाह दपोलीक नौवर्षीय बालिका रामाबाई संग हिन्दू रीति-रिवाजसँ भऽ गेलनि।

हुनक संघर्षमय जीवनमे नव उत्साहक माहौल बनलनि। 1908 मे भीमराव एलफिंस्टन कालेजमे नाम लिखौलनि आ हुनका बड़ौदाक गायकवाड शासकसँ पच्चीस टाकाक छात्रवृत्ति प्रतिमाह भेटय लगलनि। एतबे नहि, बड़ौदाक गायकवाड शासक, सहयाजी राव तृतीय हुनका संयुक्त राष्ट्र अमेरिकामे उच्च शिक्षामे अध्ययन करबाक लेल छात्रवृत्तिक व्यवस्था सेहो कऽ देलखिन। कहलो जाइत छैक जे "जखन नीक दिन अबैत छैक तँ माटि छुलासँ सोन भऽ जाइत छैक आ अधलाह दिनमे सोन छुलो सँ माटि।" ई प्रकृतिक यथार्थताक बोध करबैत अछि।

बाबा साहेबक पूरा नाम छलनि?

(1) अंबेदकर

(2) भीमराव

(3) भीमराव अंबेदकर

(4) भीमराव रामजी अंबेदकर

Options :

5402503885. 1

5402503886. 2

5402503887. 3

5402503888. 4

StudentSuvidha.com
downloaded from

Question Number : 3 Question Id : 540250973 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp1

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कें ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

भारतीय संविधानक मुख्य निर्माता आ बाबा साहेबक नामसँ विख्यात डॉ. भीमराव रामजी अंबेदकरक जन्म 14 अप्रैल 1891 कँ तत्कालीन सेंट्रल प्रांत (आब मध्य प्रदेश) मे ब्रिटिश सरकार द्वारा स्थापित शहर आ सैनिक छावनी मोहवामे हिन्दू महार जाति परिवारमे भेल छलनि। महार जाति अस्पृश्य बूझल जाइत रहैक। डा. अंबेदकर अपन पिता रामजी मालोजी आ माता भीमा बाई मुबादकरक चौदहम एवं अंतिम संतान रहथि। ओना तँ हुनक परिवारक पृष्ठभूमि आधुनिक महाराष्ट्रक रत्नगिरी जिलामे अंबेदकर शहर रहनि। अंबेदकर वंशज दीर्घ अवधि धरि ब्रिटिश इस्ट इंडिया कम्पनीक सेनामे कार्यरत रहथि। प्रतिभासंपन्न डा. भीमराव अंबेदकरक पिता भारतीय सेनाक मोहवामे सुबेदारक पद धरि कार्यरत रहलाह। डा. अंबेदकरक पिता रामजी सकपाल अपन धीयापूताकँ हिन्दू विषय पढ़बाक लेल प्रोत्साहित कयलनि। सकपाल साहेब धीयापूताकँ सरकारी स्कूलमे पढ़ेबाक प्रयासमे सफलता प्राप्त कयलनि, किएक तँ ओहि समयमे जातिक विरोध सेहो होइत रहैक। रामजी सकपाल जखन 1894 मे अवकाशग्रहण कयलनि तँ हुनक परिवार सतारा चल गेलनि। संयोग एहन जे भीमरावक माताक देहांत भऽ गेलनि। मात्र तीन पुत्र बलराम, आंनन्द राव आ भीमराव एवं दू पुत्री - मंजुला आ तुलासामे सँ मात्र भीमराव परीक्षा सभमे सफलता प्राप्त कयलनि। आगू पढ़लनि। हुनक गामक नाम रहनि अंबेद। 'अंबेद' रत्नागिरी जिलामे रहैक। तँ हुनक (भीमराव) पिता सकपाल अपन गामक नाम पर एकटा ब्राह्मण शिक्षकक सलाह पर 'अंबेदकर' रखलनि।

जीवनमे उतार-चढ़ाव प्रकृतिक नियम छैक। ई बात अंबेदकरक संग सेहो घटित होइत अछि। हुनक पिता रामजी सकपाल 1898 मे पुन: विवाह कयलनि। हुनक परिवार तखन बम्बई (आब मुंबई) मे रहय लागल। भीमराव बम्बईक एलीफिंस्टन रोडक समीप सरकारी उच्च विद्यालयमे पहिल अस्पृश्य विद्यार्थी रहथि। 1907 मे भीमराव अपन अद्‌भुत प्रतिभाक परिचय देलनि आ ओ बम्बई विश्वविद्यालयसँ मैट्रिक परीक्षोत्तीर्ण भेलाह। ओ पहिल अस्पृश्य युवक रहथि जे भारतक कालेजमे दाखिल भेलाह। ओही समयमे हुनक विवाह दपोलीक नौवर्षीय बालिका रामाबाई संग हिन्दू रीति-रिवाजसँ भऽ गेलनि।

हुनक संघर्षमय जीवनमे नव उत्साहक माहौल बनलनि। 1908 मे भीमराव एलफिंस्टन कालेजमे नाम लिखौलनि आ हुनका बड़ौदाक गायकवाड शासकसँ पच्चीस टाकाक छात्रवृत्ति प्रतिमाह भेटय लगलनि। एतबे नहि, बड़ौदाक गायकवाड शासक, सहयाजी राव तृतीय हुनका संयुक्त राष्ट्र अमेरिकामे उच्च शिक्षामे अध्ययन करबाक लेल छात्रवृत्तिक व्यवस्था सेहो कऽ देलखिन। कहलो जाइत छैक जे "जखन नीक दिन अबैत छैक तँ माटि छुलासँ सोन भऽ जाइत छैक आ अधलाह दिनमे सोन छुलो सँ माटि।" ई प्रकृतिक यथार्थताक बोध करबैत अछि।

अंबेदकरक जन्म भेलनि -

(1) 1857 ई. मे

(2) 1891 ई. मे

(3) 1869 ई. मे

(4) 1885 ई. मे

Options :

5402503889. 1

5402503890. 2

5402503891. 3

5402503892. 4

StudentSuvidha.com
download from

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

Question Number : 4 Question Id : 540250974 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp1

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कें ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

भारतीय संविधानक मुख्य निर्माता आ बाबा साहेबक नामसँ विख्यात डॉ. भीमराव रामजी अंबेदकरक जन्म 14 अप्रैल 1891 कँ तत्कालीन सेंट्रल प्रांत (आब मध्य प्रदेश) मे ब्रिटिश सरकार द्वारा स्थापित शहर आ सैनिक छावनी मोहवामे हिन्दू महार जाति परिवारमे भेल छलनि। महार जाति अस्पृश्य बूझल जाइत रहैक। डा. अंबेदकर अपन पिता रामजी मालोजी आ माता भीमा बाई मुबादकरक चौदहम एवं अंतिम संतान रहथि। ओना तँ हुनक परिवारक पृष्ठभूमि आधुनिक महाराष्ट्रक रत्नगिरी जिलामे अंबेदकर शहर रहनि। अंबेदकर वंशज दीर्घ अवधि धरि ब्रिटिश इस्ट इंडिया कम्पनीक सेनामे कार्यरत रहथि। प्रतिभासंपन्न डा. भीमराव अंबेदकरक पिता भारतीय सेनाक मोहवामे सुबेदारक पद धरि कार्यरत रहलाह। डा. अंबेदकरक पिता रामजी सकपाल अपन धीयापूताकेँ हिन्दू विषय पढ़बाक लेल प्रोत्साहित कयलनि। सकपाल साहेब धीयापूताकेँ सरकारी स्कूलमे पढ़ेबाक प्रयासमे सफलता प्राप्त कयलनि, किएक तँ ओहि समयमे जातिक विरोध सेहो होइत रहैक। रामजी सकपाल जखन 1894 मे अवकाशग्रहण कयलनि तँ हुनक परिवार सतारा चल गेलनि। संयोग एहन जे भीमरावक माताक देहांत भऽ गेलनि। मात्र तीन पुत्र बलराम, आंनन्द राव आ भीमराव एवं दू पुत्री - मंजुला आ तुलासामे सँ मात्र भीमराव परीक्षा सभमे सफलता प्राप्त कयलनि। आगू पढ़लनि। हुनक गामक नाम रहनि अंबेद। 'अंबेद' रत्नागिरी जिलामे रहैक। तँ हुनक (भीमराव) पिता सकपाल अपन गामक नाम पर एकटा ब्राह्मण शिक्षकक सलाह पर 'अंबेदकर' रखलनि।

जीवनमे उतार-चढ़ाव प्रकृतिक नियम छैक। ई बात अंबेदकरक संग सेहो घटित होइत अछि। हुनक पिता रामजी सकपाल 1898 मे पुनः विवाह कयलनि। हुनक परिवार तखन बम्बई (आब मुंबई) मे रहय लागल। भीमराव बम्बईक एलीफिंस्टन रोडक समीप सरकारी उच्च विद्यालयमे पहिल अस्पृश्य विद्यार्थी रहथि। 1907 मे भीमराव अपन अद्भुत प्रतिभाक परिचय देलनि आ ओ बम्बई विश्वविद्यालयसँ मैट्रिक परीक्षोत्तीर्ण भेलाह। ओ पहिल अस्पृश्य युवक रहथि जे भारतक कालेजमे दाखिल भेलाह। ओही समयमे हुनक विवाह दपोलीक नौवर्षीय बालिका रामाबाई संग हिन्दू रीति-रिवाजसँ भऽ गेलनि।

हुनक संघर्षमय जीवनमे नव उत्साहक माहौल बनलनि। 1908 मे भीमराव एलफिंस्टन कालेजमे नाम लिखौलनि आ हुनका बड़ौदाक गायकवाड शासकसँ पच्चीस टाकाक छात्रवृत्ति प्रतिमाह भेटय लगलनि। एतबे नहि, बड़ौदाक गायकवाड शासक, सहयाजी राव तृतीय हुनका संयुक्त राष्ट्र अमेरिकामे उच्च शिक्षामे अध्ययन करबाक लेल छात्रवृत्तिक व्यवस्था सेहो कऽ देलखिन। कहलो जाइत छैक जे "जखन नीक दिन अबैत छैक तँ माटि छुलासँ सोन भऽ जाइत छैक आ अधलाह दिनमे सोन छुलो सँ माटि।" ई प्रकृतिक यथार्थताक बोध करबैत अछि।

अंबेदकरक जन्म राज्यमे भेलनि?

(1) उत्तर प्रदेश

(2) बिहार

(3) मध्य प्रदेश

(4) हरियाणा

Options :

5402503893. 1

5402503894. 2

5402503895. 3

5402503896. 4

StudentSuvidha.com
downloaded from

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

Question Number : 5 Question Id : 540250975 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	Comp1

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कें ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

भारतीय संविधानक मुख्य निर्माता आ बाबा साहेबक नामसँ विख्यात डॉ. भीमराव रामजी अंबेदकरक जन्म 14 अप्रैल 1891 कँ तत्कालीन सेंट्रल प्रांत (आब मध्य प्रदेश) मे ब्रिटिश सरकार द्वारा स्थापित शहर आ सैनिक छावनी मोहवामे हिन्दू महार जाति परिवारमे भेल छलनि। महार जाति अस्पृश्य बूझल जाइत रहैक। डा. अंबेदकर अपन पिता रामजी मालोजी आ माता भीमा बाई मुबादकरक चौदहम एवं अंतिम संतान रहथि। ओना तँ हुनक परिवारक पृष्ठभूमि आधुनिक महाराष्ट्रक रत्नगिरी जिलामे अंबेदकर शहर रहनि। अंबेदकर वंशज दीर्घ अवधि धरि ब्रिटिश इस्ट इंडिया कम्पनीक सेनामे कार्यरत रहथि। प्रतिभासंपन्न डा. भीमराव अंबेदकरक पिता भारतीय सेनाक मोहवामे सुबेदारक पद धरि कार्यरत रहलाह। डा. अंबेदकरक पिता रामजी सकपाल अपन धीयापूताकँ हिन्दू विषय पढ़बाक लेल प्रोत्साहित कयलनि। सकपाल साहेब धीयापूताकँ सरकारी स्कूलमे पढ़ेबाक प्रयासमे सफलता प्राप्त कयलनि, किएक तँ ओहि समयमे जातिक विरोध सेहो होइत रहैक। रामजी सकपाल जखन 1894 मे अवकाशग्रहण कयलनि तँ हुनक परिवार सतारा चल गेलनि। संयोग एहन जे भीमरावक माताक देहांत भऽ गेलनि। मात्र तीन पुत्र बलराम, आंनन्द राव आ भीमराव एवं दू पुत्री - मंजुला आ तुलासामे सँ मात्र भीमराव परीक्षा सभमे सफलता प्राप्त कयलनि। आगू पढ़लनि। हुनक गामक नाम रहनि अंबेद। 'अंबेद' रत्नागिरी जिलामे रहैक। तँ हुनक (भीमराव) पिता सकपाल अपन गामक नाम पर एकटा ब्राह्मण शिक्षकक सलाह पर 'अंबेदकर' रखलनि।

जीवनमे उतार-चढ़ाव प्रकृतिक नियम छैक। ई बात अंबेदकरक संग सेहो घटित होइत अछि। हुनक पिता रामजी सकपाल 1898 मे पुनः विवाह कयलनि। हुनक परिवार तखन बम्बई (आब मुंबई) मे रहय लागल। भीमराव बम्बईक एलीफिंस्टन रोडक समीप सरकारी उच्च विद्यालयमे पहिल अस्पृश्य विद्यार्थी रहथि। 1907 मे भीमराव अपन अद्भुत प्रतिभाक परिचय देलनि आ ओ बम्बई विश्वविद्यालयसँ मैट्रिक परीक्षोत्तीर्ण भेलाह। ओ पहिल अस्पृश्य युवक रहथि जे भारतक कालेजमे दाखिल भेलाह। ओही समयमे हुनक विवाह दपोलीक नौवर्षीय बालिका रामाबाई संग हिन्दू रीति-रिवाजसँ भऽ गेलनि।

हुनक संघर्षमय जीवनमे नव उत्साहक माहौल बनलनि। 1908 मे भीमराव एलफिंस्टन कालेजमे नाम लिखौलनि आ हुनका बड़ौदाक गायकवाड शासकसँ पच्चीस टाकाक छात्रवृत्ति प्रतिमाह भेटय लगलनि। एतबे नहि, बड़ौदाक गायकवाड शासक, सहयाजी राव तृतीय हुनका संयुक्त राष्ट्र अमेरिकामे उच्च शिक्षामे अध्ययन करबाक लेल छात्रवृत्तिक व्यवस्था सेहो कऽ देलखिन। कहलो जाइत छैक जे "जखन नीक दिन अबैत छैक तँ माटि छुलासँ सोन भऽ जाइत छैक आ अधलाह दिनमे सोन छुलो सँ माटि।" ई प्रकृतिक यथार्थताक बोध करबैत अछि।

अंबेदकरक पिता रामजी शकपाल अवकाश ग्रहण कयलनि -

(1) 1890 ई. मे

(2) 1892 ई. मे

(3) 1895 ई. मे

(4) 1894 ई. मे

Options :

5402503897. 1

5402503898. 2

5402503899. 3

5402503900. 4

StudentSuvidha.com
downloaded from

Question Number : 6 Question Id : 540250976 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp1

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कें ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

भारतीय संविधानक मुख्य निर्माता आ बाबा साहेबक नामसँ विख्यात डॉ. भीमराव रामजी अंबेदकरक जन्म 14 अप्रैल 1891 कँ तत्कालीन सेंट्रल प्रांत (आब मध्य प्रदेश) मे ब्रिटिश सरकार द्वारा स्थापित शहर आ सैनिक छावनी मोहवामे हिन्दू महार जाति परिवारमे भेल छलनि। महार जाति अस्पृश्य बूझल जाइत रहैक। डा. अंबेदकर अपन पिता रामजी मालोजी आ माता भीमा बाई मुबादकरक चौदहम एवं अंतिम संतान रहथि। ओना तँ हुनक परिवारक पृष्ठभूमि आधुनिक महाराष्ट्रक रत्नगिरी जिलामे अंबेदकर शहर रहनि। अंबेदकर वंशज दीर्घ अवधि धरि ब्रिटिश इस्ट इंडिया कम्पनीक सेनामे कार्यरत रहथि। प्रतिभासंपन्न डा. भीमराव अंबेदकरक पिता भारतीय सेनाक मोहवामे सुबेदारक पद धरि कार्यरत रहलाह। डा. अंबेदकरक पिता रामजी सकपाल अपन धीयापूताकेँ हिन्दू विषय पढ़बाक लेल प्रोत्साहित कयलनि। सकपाल साहेब धीयापूताकेँ सरकारी स्कूलमे पढ़ेबाक प्रयासमे सफलता प्राप्त कयलनि, किएक तँ ओहि समयमे जातिक विरोध सेहो होइत रहैक। रामजी सकपाल जखन 1894 मे अवकाशग्रहण कयलनि तँ हुनक परिवार सतारा चल गेलनि। संयोग एहन जे भीमरावक माताक देहांत भऽ गेलनि। मात्र तीन पुत्र बलराम, आंनन्द राव आ भीमराव एवं दू पुत्री - मंजुला आ तुलासामे सँ मात्र भीमराव परीक्षा सभमे सफलता प्राप्त कयलनि। आगू पढ़लनि। हुनक गामक नाम रहनि अंबेद। 'अंबेद' रत्नागिरी जिलामे रहैक। तँ हुनक (भीमराव) पिता सकपाल अपन गामक नाम पर एकटा ब्राह्मण शिक्षकक सलाह पर 'अंबेदकर' रखलनि।

जीवनमे उतार-चढ़ाव प्रकृतिक नियम छैक। ई बात अंबेदकरक संग सेहो घटित होइत अछि। हुनक पिता रामजी सकपाल 1898 मे पुनः विवाह कयलनि। हुनक परिवार तखन बम्बई (आब मुंबई) मे रहय लागल। भीमराव बम्बईक एलीफिंस्टन रोडक समीप सरकारी उच्च विद्यालयमे पहिल अस्पृश्य विद्यार्थी रहथि। 1907 मे भीमराव अपन अद्‌भुत प्रतिभाक परिचय देलनि आ ओ बम्बई विश्वविद्यालयसँ मैट्रिक परीक्षोत्तीर्ण भेलाह। ओ पहिल अस्पृश्य युवक रहथि जे भारतक कालेजमे दाखिल भेलाह। ओही समयमे हुनक विवाह दपोलीक नौवर्षीय बालिका रामाबाई संग हिन्दू रीति-रिवाजसँ भऽ गेलनि।

हुनक संघर्षमय जीवनमे नव उत्साहक माहौल बनलनि। 1908 मे भीमराव एलफिंस्टन कालेजमे नाम लिखौलनि आ हुनका बड़ौदाक गायकवाड शासकसँ पच्चीस टाकाक छात्रवृत्ति प्रतिमाह भेटय लगलनि। एतबे नहि, बड़ौदाक गायकवाड शासक, सहयाजी राव तृतीय हुनका संयुक्त राष्ट्र अमेरिकामे उच्च शिक्षामे अध्ययन करबाक लेल छात्रवृत्तिक व्यवस्था सेहो कऽ देलखिन। कहलो जाइत छैक जे "जखन नीक दिन अबैत छैक तँ माटि छुलासँ सोन भऽ जाइत छैक आ अधलाह दिनमे सोन छुलो सँ माटि।" ई प्रकृतिक यथार्थताक बोध करबैत अछि।

अंबेदकर मैट्रिकक परीक्षा उत्तीर्ण भेलाह?

(1) 1906 ई. मे

(2) 1907 ई. मे

(3) 1909 ई. मे

(4) 1911 ई. मे

Options :

5402503901. 1

5402503902. 2

5402503903. 3

5402503904. 4

StudentSuvidha.com
download from

Question Number : 7 Question Id : 540250977 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp1

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कैं ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

भारतीय संविधानक मुख्य निर्माता आ बाबा साहेबक नामसँ विख्यात डॉ. भीमराव रामजी अंबेदकरक जन्म 14 अप्रैल 1891 कैं तत्कालीन सेंट्रल प्रांत (आब मध्य प्रदेश) मे ब्रिटिश सरकार द्वारा स्थापित शहर आ सैनिक छावनी मोहवामे हिन्दू महार जाति परिवारमे भेल छलनि। महार जाति अस्पृश्य बूझल जाइत रहैक। डा. अंबेदकर अपन पिता रामजी मालोजी आ माता भीमा बाई मुबादकरक चौदहम एवं अंतिम संतान रहथि। ओना तँ हुनक परिवारक पृष्ठभूमि आधुनिक महाराष्ट्रक रत्नगिरी जिलामे अंबेदकर शहर रहनि। अंबेदकर वंशज दीर्घ अवधि धरि ब्रिटिश इस्ट इंडिया कम्पनीक सेनामे कार्यरत रहथि। प्रतिभासंपन्न डा. भीमराव अंबेदकरक पिता भारतीय सेनाक मोहवामे सुबेदारक पद धरि कार्यरत रहलाह। डा. अंबेदकरक पिता रामजी सकपाल अपन धीयापूताकैं हिन्दू विषय पढ़बाक लेल प्रोत्साहित कयलनि। सकपाल साहेब धीयापूताकैं सरकारी स्कूलमे पढ़ेबाक प्रयासमे सफलता प्राप्त कयलनि, किएक तँ ओहि समयमे जातिक विरोध सेहो होइत रहैक। रामजी सकपाल जखन 1894 मे अवकाशग्रहण कयलनि तँ हुनक परिवार सतारा चल गेलनि। संयोग एहन जे भीमरावक माताक देहांत भऽ गेलनि। मात्र तीन पुत्र बलराम, आंनन्द राव आ भीमराव एवं दू पुत्री - मंजुला आ तुलासामे सँ मात्र भीमराव परीक्षा सभमे सफलता प्राप्त कयलनि। आगू पढ़लनि। हुनक गामक नाम रहनि अंबेद। 'अंबेद' रत्नागिरी जिलामे रहैक। तँ हुनक (भीमराव) पिता सकपाल अपन गामक नाम पर एकटा ब्राह्मण शिक्षकक सलाह पर 'अंबेदकर' रखलनि।

जीवनमे उतार-चढ़ाव प्रकृतिक नियम छैक। ई बात अंबेदकरक संग सेहो घटित होइत अछि। हुनक पिता रामजी सकपाल 1898 मे पुनः विवाह कयलनि। हुनक परिवार तखन बम्बई (आब मुंबई) मे रहय लागल। भीमराव बम्बईक एलीफिंस्टन रोडक समीप सरकारी उच्च विद्यालयमे पहिल अस्पृश्य विद्यार्थी रहथि। 1907 मे भीमराव अपन अद्भुत प्रतिभाक परिचय देलनि आ ओ बम्बई विश्वविद्यालयसँ मैट्रिक परीक्षोत्तीर्ण भेलाह। ओ पहिल अस्पृश्य युवक रहथि जे भारतक कालेजमे दाखिल भेलाह। ओही समयमे हुनक विवाह दपोलीक नौवर्षीय बालिका रामाबाई संग हिन्दू रीति-रिवाजसँ भऽ गेलनि।

हुनक संघर्षमय जीवनमे नव उत्साहक माहौल बनलनि। 1908 मे भीमराव एलफिंस्टन कालेजमे नाम लिखौलनि आ हुनका बड़ौदाक गायकवाड शासकसँ पच्चीस टाकाक छात्रवृत्ति प्रतिमाह भेटय लगलनि। एतबे नहि, बड़ौदाक गायकवाड शासक, सहयाजी राव तृतीय हुनका संयुक्त राष्ट्र अमेरिकामे उच्च शिक्षामे अध्ययन करबाक लेल छात्रवृत्तिक व्यवस्था सेहो कऽ देलखिन। कहलो जाइत छैक जे "जखन नीक दिन अबैत छैक तँ माटि छुलासँ सोन भऽ जाइत छैक आ अधलाह दिनमे सोन छुलो सँ माटि।" ई प्रकृतिक यथार्थताक बोध करबैत अछि।

भीमराव एलफिंस्टन कॉलेजमे नाम लिखौलनि?

(1) 1910 ई. मे

(2) 1909 ई. मे

(3) 1905 ई. मे

(4) 1908 ई. मे

Options :

5402503905. 1

5402503906. 2

5402503907. 3

5402503908. 4

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

Question Number : 8 Question Id : 540250978 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp1

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कैं ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

भारतीय संविधानक मुख्य निर्माता आ बाबा साहेबक नामसँ विख्यात डॉ. भीमराव रामजी अंबेदकरक जन्म 14 अप्रैल 1891 कैं तत्कालीन सेंट्रल प्रांत (आब मध्य प्रदेश) मे ब्रिटिश सरकार द्वारा स्थापित शहर आ सैनिक छावनी मोहवामे हिन्दू महार जाति परिवारमे भेल छलनि। महार जाति अस्पृश्य बूझल जाइत रहैक। डा. अंबेदकर अपन पिता रामजी मालोजी आ माता भीमा बाई मुबादकरक चौदहम एवं अंतिम संतान रहथि। ओना तँ हुनक परिवारक पृष्ठभूमि आधुनिक महाराष्ट्रक रत्नगिरी जिलामे अंबेदकर शहर रहनि। अंबेदकर वंशज दीर्घ अवधि धरि ब्रिटिश इस्ट इंडिया कम्पनीक सेनामे कार्यरत रहथि। प्रतिभासंपन्न डा. भीमराव अंबेदकरक पिता भारतीय सेनाक मोहवामे सुबेदारक पद धरि कार्यरत रहलाह। डा. अंबेदकरक पिता रामजी सकपाल अपन धीयापूताकैं हिन्दू विषय पढ़बाक लेल प्रोत्साहित कयलनि। सकपाल साहेब धीयापूताकैं सरकारी स्कूलमे पढ़ेबाक प्रयासमे सफलता प्राप्त कयलनि, किएक तँ ओहि समयमे जातिक विरोध सेहो होइत रहैक। रामजी सकपाल जखन 1894 मे अवकाशग्रहण कयलनि तँ हुनक परिवार सतारा चल गेलनि। संयोग एहन जे भीमरावक माताक देहांत भऽ गेलनि। मात्र तीन पुत्र बलराम, आंनन्द राव आ भीमराव एवं दू पुत्री - मंजुला आ तुलासामे सँ मात्र भीमराव परीक्षा सभमे सफलता प्राप्त कयलनि। आगू पढ़लनि। हुनक गामक नाम रहनि अंबेद। 'अंबेद' रत्नागिरी जिलामे रहैक। तँ हुनक (भीमराव) पिता सकपाल अपन गामक नाम पर एकटा ब्राह्मण शिक्षकक सलाह पर 'अंबेदकर' रखलनि।

जीवनमे उतार-चढ़ाव प्रकृतिक नियम छैक। ई बात अंबेदकरक संग सेहो घटित होइत अछि। हुनक पिता रामजी सकपाल 1898 मे पुन: विवाह कयलनि। हुनक परिवार तखन बम्बई (आब मुंबई) मे रहय लागल। भीमराव बम्बईक एलीफिंस्टन रोडक समीप सरकारी उच्च विद्यालयमे पहिल अस्पृश्य विद्यार्थी रहथि। 1907 मे भीमराव अपन अद्भुत प्रतिभाक परिचय देलनि आ ओ बम्बई विश्वविद्यालयसँ मैट्रिक परीक्षोत्तीर्ण भेलाह। ओ पहिल अस्पृश्य युवक रहथि जे भारतक कालेजमे दाखिल भेलाह। ओही समयमे हुनक विवाह दपोलीक नौवर्षीय बालिका रामाबाई संग हिन्दू रीति-रिवाजसँ भऽ गेलनि।

हुनक संघर्षमय जीवनमे नव उत्साहक माहौल बनलनि। 1908 मे भीमराव एलफिंस्टन कालेजमे नाम लिखौलनि आ हुनका बड़ौदाक गायकवाड शासकसँ पच्चीस टाकाक छात्रवृत्ति प्रतिमाह भेटय लगलनि। एतबे नहि, बड़ौदाक गायकवाड शासक, सहयाजी राव तृतीय हुनका संयुक्त राष्ट्र अमेरिकामे उच्च शिक्षामे अध्ययन करबाक लेल छात्रवृत्तिक व्यवस्था सेहो कऽ देलखिन। कहलो जाइत छैक जे "जखन नीक दिन अबैत छैक तँ माटि छुलासँ सोन भऽ जाइत छैक आ अधलाह दिनमे सोन छुलो सँ माटि।" ई प्रकृतिक यथार्थताक बोध करबैत अछि।

अंबेदकर कैं छात्रवृत्ति कोन शासक द्वारा प्रदान कएल जाइत छल :

(1) बंगालक नवाब द्वारा

(2) हैदराबादक निजाम द्वारा

(3) बड़ौदाक गायकवाड द्वारा

(4) बिहारक जमींदार द्वारा

Options :

5402503909. 1

5402503910. 2

5402503911. 3

5402503912. 4

StudentSuvidha.com
download from

Question Number : 9 Question Id : 540250979 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp1

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कें ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

भारतीय संविधानक मुख्य निर्माता आ बाबा साहेबक नामसँ विख्यात डॉ. भीमराव रामजी अंबेदकरक जन्म 14 अप्रैल 1891 कँ तत्कालीन सेंट्रल प्रांत (आब मध्य प्रदेश) मे ब्रिटिश सरकार द्वारा स्थापित शहर आ सैनिक छावनी मोहवामे हिन्दू महार जाति परिवारमे भेल छलनि। महार जाति अस्पृश्य बूझल जाइत रहैक। डा. अंबेदकर अपन पिता रामजी मालोजी आ माता भीमा बाई मुबादकरक चौदहम एवं अंतिम संतान रहथि। ओना तँ हुनक परिवारक पृष्ठभूमि आधुनिक महाराष्ट्रक रत्नगिरी जिलामे अंबेदकर शहर रहनि। अंबेदकर वंशज दीर्घ अवधि धरि ब्रिटिश इस्ट इंडिया कम्पनीक सेनामे कार्यरत रहथि। प्रतिभासंपन्न डा. भीमराव अंबेदकरक पिता भारतीय सेनाक मोहवामे सुबेदारक पद धरि कार्यरत रहलाह। डा. अंबेदकरक पिता रामजी सकपाल अपन धीयापूताकँ हिन्दू विषय पढ़बाक लेल प्रोत्साहित कयलनि। सकपाल साहेब धीयापूताकँ सरकारी स्कूलमे पढ़ेबाक प्रयासमे सफलता प्राप्त कयलनि, किएक तँ ओहि समयमे जातिक विरोध सेहो होइत रहैक। रामजी सकपाल जखन 1894 मे अवकाशग्रहण कयलनि तँ हुनक परिवार सतारा चल गेलनि। संयोग एहन जे भीमरावक माताक देहांत भऽ गेलनि। मात्र तीन पुत्र बलराम, आंनन्द राव आ भीमराव एवं दू पुत्री - मंजुला आ तुलासामे सँ मात्र भीमराव परीक्षा सभमे सफलता प्राप्त कयलनि। आगू पढ़लनि। हुनक गामक नाम रहनि अंबेद। 'अंबेद' रत्नागिरी जिलामे रहैक। तँ हुनक (भीमराव) पिता सकपाल अपन गामक नाम पर एकटा ब्राह्मण शिक्षकक सलाह पर 'अंबेदकर' रखलनि।

जीवनमे उतार-चढ़ाव प्रकृतिक नियम छैक। ई बात अंबेदकरक संग सेहो घटित होइत अछि। हुनक पिता रामजी सकपाल 1898 मे पुन: विवाह कयलनि। हुनक परिवार तखन बम्बई (आब मुंबई) मे रहय लागल। भीमराव बम्बईक एलीफिंस्टन रोडक समीप सरकारी उच्च विद्यालयमे पहिल अस्पृश्य विद्यार्थी रहथि। 1907 मे भीमराव अपन अद्भुत प्रतिभाक परिचय देलनि आ ओ बम्बई विश्वविद्यालयसँ मैट्रिक परीक्षोत्तीर्ण भेलाह। ओ पहिल अस्पृश्य युवक रहथि जे भारतक कालेजमे दाखिल भेलाह। ओही समयमे हुनक विवाह दपोलीक नौवर्षीय बालिका रामाबाई संग हिन्दू रीति-रिवाजसँ भऽ गेलनि।

हुनक संघर्षमय जीवनमे नव उत्साहक माहौल बनलनि। 1908 मे भीमराव एलफिंस्टन कालेजमे नाम लिखौलनि आ हुनका बड़ौदाक गायकवाड शासकसँ पच्चीस टाकाक छात्रवृत्ति प्रतिमाह भेटय लगलनि। एतबे नहि, बड़ौदाक गायकवाड शासक, सहयाजी राव तृतीय हुनका संयुक्त राष्ट्र अमेरिकामे उच्च शिक्षामे अध्ययन करबाक लेल छात्रवृत्तिक व्यवस्था सेहो कऽ देलखिन। कहलो जाइत छैक जे "जखन नीक दिन अबैत छैक तँ माटि छुलासँ सोन भऽ जाइत छैक आ अधलाह दिनमे सोन छुलो सँ माटि।" ई प्रकृतिक यथार्थताक बोध करबैत अछि।

छात्रवृतिमे रूपया भेटैत छलनि?

(1) एगारह रूपया

(2) पच्चीस रूपया

(3) पैंतीस रूपया

(4) पचपन रूपया

Options :

5402503913. 1

5402503914. 2

5402503915. 3

5402503916. 4

StudentSuvidha.com
downloaded from

Question Number : 10 Question Id : 540250980 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp1

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कँ ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

भारतीय संविधानक मुख्य निर्माता आ बाबा साहेबक नामसँ विख्यात डॉ. भीमराव रामजी अंबेदकरक जन्म 14 अप्रैल 1891 कँ तत्कालीन सेंट्रल प्रांत (आब मध्य प्रदेश) मे ब्रिटिश सरकार द्वारा स्थापित शहर आ सैनिक छावनी मोहवामे हिन्दू महार जाति परिवारमे भेल छलनि। महार जाति अस्पृश्य बूझल जाइत रहैक। डा. अंबेदकर अपन पिता रामजी मालोजी आ माता भीमा बाई मुबादकरक चौदहम एवं अंतिम संतान रहथि। ओना तँ हुनक परिवारक पृष्ठभूमि आधुनिक महाराष्ट्रक रत्नगिरी जिलामे अंबेदकर शहर रहनि। अंबेदकर वंशज दीर्घ अवधि धरि ब्रिटिश इस्ट इंडिया कम्पनीक सेनामे कार्यरत रहथि। प्रतिभासंपन्न डा. भीमराव अंबेदकरक पिता भारतीय सेनाक मोहवामे सुबेदारक पद धरि कार्यरत रहलाह। डा. अंबेदकरक पिता रामजी सकपाल अपन धीयापूताकँ हिन्दू विषय पढ़बाक लेल प्रोत्साहित कयलनि। सकपाल साहेब धीयापूताकँ सरकारी स्कूलमे पढ़ेबाक प्रयासमे सफलता प्राप्त कयलनि, किएक तँ ओहि समयमे जातिक विरोध सेहो होइत रहैक। रामजी सकपाल जखन 1894 मे अवकाशग्रहण कयलनि तँ हुनक परिवार सतारा चल गेलनि। संयोग एहन जे भीमरावक माताक देहांत भऽ गेलनि। मात्र तीन पुत्र बलराम, आंनन्द राव आ भीमराव एवं दू पुत्री - मंजुला आ तुलासामे सँ मात्र भीमराव परीक्षा सभमे सफलता प्राप्त कयलनि। आगू पढ़लनि। हुनक गामक नाम रहनि अंबेद। 'अंबेद' रत्नागिरी जिलामे रहैक। तँ हुनक (भीमराव) पिता सकपाल अपन गामक नाम पर एकटा ब्राह्मण शिक्षकक सलाह पर 'अंबेदकर' रखलनि।

जीवनमे उतार-चढ़ाव प्रकृतिक नियम छैक। ई बात अंबेदकरक संग सेहो घटित होइत अछि। हुनक पिता रामजी सकपाल 1898 मे पुन: विवाह कयलनि। हुनक परिवार तखन बम्बई (आब मुंबई) मे रहय लागल। भीमराव बम्बईक एलीफिंस्टन रोडक समीप सरकारी उच्च विद्यालयमे पहिल अस्पृश्य विद्यार्थी रहथि। 1907 मे भीमराव अपन अद्‌भुत प्रतिभाक परिचय देलनि आ ओ बम्बई विश्वविद्यालयसँ मैट्रिक परीक्षोत्तीर्ण भेलाह। ओ पहिल अस्पृश्य युवक रहथि जे भारतक कालेजमे दाखिल भेलाह। ओही समयमे हुनक विवाह दपोलीक नौवर्षीय बालिका रामाबाई संग हिन्दू रीति-रिवाजसँ भऽ गेलनि।

हुनक संघर्षमय जीवनमे नव उत्साहक माहौल बनलनि। 1908 मे भीमराव एलफिंस्टन कालेजमे नाम लिखौलनि आ हुनका बड़ौदाक गायकवाड शासकसँ पच्चीस टाकाक छात्रवृत्ति प्रतिमाह भेटय लगलनि। एतबे नहि, बड़ौदाक गायकवाड शासक, सहयाजी राव तृतीय हुनका संयुक्त राष्ट्र अमेरिकामे उच्च शिक्षामे अध्ययन करबाक लेल छात्रवृत्तिक व्यवस्था सेहो कऽ देलखिन। कहलो जाइत छैक जे "जखन नीक दिन अबैत छैक तँ माटि छुलासँ सोन भऽ जाइत छैक आ अधलाह दिनमे सोन छुलो सँ माटि।" ई प्रकृतिक यथार्थताक बोध करबैत अछि।

अंबेदकरक विवाह भेलनि?

(1) पुतली बाईक संग

(2) रामा बाईक संग

(3) कांता बाईक संग

(4) जयमंती बाईक संग

Options :

5402503917. 1

5402503918. 2

5402503919. 3

5402503920. 4

Sub-Section Number : 2

StudentSuvidha.com
downloaded from

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

Sub-Section Id : 54025051

Question Shuffling Allowed : No

Is Section Default? : null

Question Number : 11 Question Id : 540250981 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	Comp2

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कैं ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

मैथिलीमे विशाल पाठकक वर्गकैं तैयार करबामे, एकर साहित्यकैं भाषान्तरमे सम्मान देअयबामे तथा एकर लोकप्रियता बढ़यबामे, आधुनिक कालमे जँ ककरो एक गोटाकैं श्रेय देल जायत तँ ओ ओहताह प्रोफेसर हरिमोहन झा। वस्तुत: यैह अपन रंग विरंगक रचना सँ रूढ़ि पर कठोर प्रहार कऽ मिथिलाक जड़ता कैं भंग कयलनि तथा हिनके उपन्यास-कथा सभसँ प्रेरणा लऽ मिथिलाक ललनालोकनि समाजक विकासमे अपनाकैं समर्थ प्रमाणित कयलनि। योग्य पिता पं. जनार्दन झा 'जनसीदन' क सुयोग्य पुत्र प्रो. हरिमोहन झा मैथिली साहित्यमे एक नवीन विधा-व्यंग्य-क सृष्टि कयलनि तथा 'खट्टर ककाक तरंग'क रचना कऽ तकरा पुष्टो कऽ देलनि।

हिनक जन्म वैशाली जिलाक कुमर बाजितपुर गाममे 18 सितम्बर 1908 ई. के भेलनि। ई अत्यन्त मेधावी छात्र छलाह तथा दर्शनशास्त्रमे एम.ए. कऽ पहिने पटनाक बी.एन. कालेज, पुन: पटना कालेज, तदनन्तर पटना विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर विभागमे अध्यापन कयलनि। दर्शन-विभागाध्यक्षक पदसँ सेवा-निवृत भेलाक बादो पाँच वर्ष धरि विश्वविद्यालय-सेवा-आयोगक (Research Professor) रहलाह। हिनक निधन 23 फरवरी 1984 कैं दरभंगा मे भऽ गेलनि।

हिनक लेख-कार्य कहियो रूकल नहि। मृत्युक समयसँ किछु दिन पूर्व धरि ई आत्मकथा लिखैत रहलाह जे पछाति 'जीवन-यात्रा'क नामसँ प्रकाशित भेल। हिनक विशिष्ट मैथिल-सेवाक कारणेँ पटनाक मैथिल गोष्ठी द्वारा 1963 ई. मे एक गोट विशाल अभिनन्दन ग्रन्थ हिनका समर्पित कयल गेल। दीर्घ आकारक 518 पृष्ठक ओहि अभिनन्दन-ग्रन्थमे एकानबे रचनाकारक 106 गोट रचना संकलित अछि।

हिनक प्रकाशित कृति अछि - कन्यादान (1933), द्विरागमन (1943) - उपन्यास; प्रणम्य देवता (1945), रंगशाला (1950) - कथा-संग्रह; खट्टरककाक तरंग (1949)-व्यंग्य; चर्चरी (1960) - विविध; जीवन-यात्रा (1984) - आत्मकथा। एकर अतिरिक्त, संगृहीत-असंगृहीत एगारह गोट बीछल कथाक संग्रह 'एकादशी'क नामसँ सेहो प्रकाशित भेल अछि। हिनक अनेक पोथीक अनेक संस्करण भेल अछि।

मैथिलीमे विशाल पाठक वर्ग तैयार करबाक श्रेय छनि :-

(1) मनमोहन झा कैं

(2) चन्दा झा कैं

(3) हरिमोहन झा कैं

(4) कांचीनाथ झा 'किरण' कैं

Options :

5402503921. 1

5402503922. 2

5402503923. 3

5402503924. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

Question Number : 12 Question Id : 540250982 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp2

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कैं ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

मैथिलीमे विशाल पाठकक वर्गकैं तैयार करबामे, एकर साहित्यकैं भाषान्तरमे सम्मान देअयबामे तथा एकर लोकप्रियता बढ़यबामे, आधुनिक कालमे जँ ककरो एक गोटाकैं श्रेय देल जायत तँ ओ ओहताह प्रोफेसर हरिमोहन झा। वस्तुत: यैह अपन रंग विरंगक रचना सँ रूढ़ि पर कठोर प्रहार कऽ मिथिलाक जड़ता कैं भंग कयलनि तथा हिनके उपन्यास-कथा सभसँ प्रेरणा लऽ मिथिलाक ललनालोकनि समाजक विकासमे अपनाकैं समर्थ प्रमाणित कयलनि। योग्य पिता पं. जनार्दन झा 'जनसीदन' क सुयोग्य पुत्र प्रो. हरिमोहन झा मैथिली साहित्यमे एक नवीन विधा-व्यंग्य-क सृष्टि कयलनि तथा 'खट्टर ककाक तरंग'क रचना कऽ तकरा पुष्टो कऽ देलनि।

हिनक जन्म वैशाली जिलाक कुमर बाजितपुर गाममे 18 सितम्बर 1908 ई. के भेलनि। ई अत्यन्त मेधावी छात्र छलाह तथा दर्शनशास्त्रमे एम.ए. कऽ पहिने पटनाक बी.एन. कालेज, पुन: पटना कालेज, तदनन्तर पटना विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर विभागमे अध्यापन कयलनि। दर्शन-विभागाध्यक्षक पदसँ सेवा-निवृत भेलाक बादो पाँच वर्ष धरि विश्वविद्यालय-सेवा-आयोगक (Research Professor) रहलाह। हिनक निधन 23 फरवरी 1984 कैं दरभंगा मे भऽ गेलनि।

हिनक लेख-कार्य कहियो रूकल नहि। मृत्युक समयसँ किछु दिन पूर्व धरि ई आत्मकथा लिखैत रहलाह जे पछाति 'जीवन-यात्रा'क नामसँ प्रकाशित भेल। हिनक विशिष्ट मैथिल-सेवाक कारणेँ पटनाक मैथिल गोष्ठी द्वारा 1963 ई. मे एक गोट विशाल अभिनन्दन ग्रन्थ हिनका समर्पित कयल गेल। दीर्घ आकारक 518 पृष्ठक ओहि अभिनन्दन-ग्रन्थमे एकानबे रचनाकारक 106 गोट रचना संकलित अछि।

हिनक प्रकाशित कृति अछि - कन्यादान (1933), द्विरागमन (1943) - उपन्यास; प्रणम्य देवता (1945), रंगशाला (1950) - कथा-संग्रह; खट्टरककाक तरंग (1949)-व्यंग्य; चर्चरी (1960) - विविध; जीवन-यात्रा (1984) - आत्मकथा। एकर अतिरिक्त, संगृहीत-असंगृहीत एगारह गोट बीहिड़ि कथाक संग्रह 'एकादशी'क नामसँ सेहो प्रकाशित भेल अछि। हिनक अनेक पोथीक अनेक संस्करण भेल अछि।

हरिमोहन झाक जन्म कोन गाम मे भेलनि ?

(1) कुमर बाजितपुर मे

(2) सरिसव पाहिमे

(3) रहुआ मे

(4) बल्लीपुर मे

Options :

5402503925. 1

5402503926. 2

5402503927. 3

5402503928. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Question Number : 13 Question Id : 540250983 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp2

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कैं ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

मैथिलीमे विशाल पाठकक वर्गकैं तैयार करबामे, एकर साहित्यकैं भाषान्तरमे सम्मान देअयबामे तथा एकर लोकप्रियता बढ़यबामे, आधुनिक कालमे जँ ककरो एक गोटाकैं श्रेय देल जायत तँ ओ ओहताह प्रोफेसर हरिमोहन झा। वस्तुत: यैह अपन रंग विरंगक रचना सँ रूढ़ि पर कठोर प्रहार कऽ मिथिलाक जड़ता कैं भंग कयलनि तथा हिनके उपन्यास-कथा सभसँ प्रेरणा लऽ मिथिलाक ललनालोकनि समाजक विकासमे अपनाकैं समर्थ प्रमाणित कयलनि। योग्य पिता पं. जनार्दन झा 'जनसीदन' क सुयोग्य पुत्र प्रो. हरिमोहन झा मैथिली साहित्यमे एक नवीन विधा-व्यंग्य-क सृष्टि कयलनि तथा 'खट्टर ककाक तरंग'क रचना कऽ तकरा पुष्टो कऽ देलनि।

हिनक जन्म वैशाली जिलाक कुमर बाजितपुर गाममे 18 सितम्बर 1908 ई. के भेलनि। ई अत्यन्त मेधावी छात्र छलाह तथा दर्शनशास्त्रमे एम.ए. कऽ पहिने पटनाक बी.एन. कालेज, पुन: पटना कालेज, तदनन्तर पटना विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर विभागमे अध्यापन कयलनि। दर्शन-विभागाध्यक्षक पदसँ सेवा-निवृत भेलाक बादो पाँच वर्ष धरि विश्वविद्यालय-सेवा-आयोगक (Research Professor) रहलाह। हिनक निधन 23 फरवरी 1984 कैं दरभंगा मे भऽ गेलनि।

हिनक लेख-कार्य कहियो रूकल नहि। मृत्युक समयसँ किछु दिन पूर्व धरि ई आत्मकथा लिखैत रहलाह जे पछाति 'जीवन-यात्रा'क नामसँ प्रकाशित भेल। हिनक विशिष्ट मैथिल-सेवाक कारणेँ पटनाक मैथिल गोष्ठी द्वारा 1963 ई. मे एक गोट विशाल अभिनन्दन ग्रन्थ हिनका समर्पित कयल गेल। दीर्घ आकारक 518 पृष्ठक ओहि अभिनन्दन-ग्रन्थमे एकानबे रचनाकारक 106 गोट रचना संकलित अछि।

हिनक प्रकाशित कृति अछि - कन्यादान (1933), द्विरागमन (1943) - उपन्यास; प्रणम्य देवता (1945), रंगशाला (1950) - कथा-संग्रह; खट्टरककाक तरंग (1949)-व्यंग्य; चर्चरी (1960) - विविध; जीवन-यात्रा (1984) - आत्मकथा। एकर अतिरिक्त, संगृहीत-असंगृहीत एगारह गोट बीछल कथाक संग्रह 'एकादशी'क नामसँ सेहो प्रकाशित भेल अछि। हिनक अनेक पोथीक अनेक संस्करण भेल अछि।

downloaded from StudentSuvidha.com

हरिमोहन झाक पिताक नाम छलनि :-

(1) परमेश्वर झा

(2) जनार्दन झा "जनसीदन"

(3) हरिनन्दन ठाकुर 'सरोज'

(4) मधुसुदन झा

Options :

5402503929. 1

5402503930. 2

5402503931. 3

5402503932. 4

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

Question Number : 14 Question Id : 540250984 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	Comp2

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कैं ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

मैथिलीमे विशाल पाठकक वर्गकैं तैयार करबामे, एकर साहित्यकैं भाषान्तरमे सम्मान देअयबामे तथा एकर लोकप्रियता बढ़यबामे, आधुनिक कालमे जँ ककरो एक गोटाकैं श्रेय देल जायत तँ ओ ओहताह प्रोफेसर हरिमोहन झा। वस्तुतः यैह अपन रंग विरंगक रचना सँ रूढ़ि पर कठोर प्रहार कऽ मिथिलाक जड़ता कैं भंग कयलनि तथा हिनके उपन्यास-कथा सभसँ प्रेरणा लऽ मिथिलाक ललनालोकनि समाजक विकासमे अपनाकैं समर्थ प्रमाणित कयलनि। योग्य पिता पं. जनार्दन झा 'जनसीदन' क सुयोग्य पुत्र प्रो. हरिमोहन झा मैथिली साहित्यमे एक नवीन विधा-व्यंग्य-क सृष्टि कयलनि तथा 'खट्टर ककाक तरंग'क रचना कऽ तकरा पुष्टो कऽ देलनि।

हिनक जन्म वैशाली जिलाक कुमर बाजितपुर गाममे 18 सितम्बर 1908 ई. के भेलनि। ई अत्यन्त मेधावी छात्र छलाह तथा दर्शनशास्त्रमे एम.ए. कऽ पहिने पटनाक बी.एन. कालेज, पुनः पटना कालेज, तदनन्तर पटना विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर विभागमे अध्यापन कयलनि। दर्शन-विभागाध्यक्षक पदसँ सेवा-निवृत भेलाक बादो पाँच वर्ष धरि विश्वविद्यालय-सेवा-आयोगक (Research Professor) रहलाह। हिनक निधन 23 फरवरी 1984 कैं दरभंगा मे भऽ गेलनि।

हिनक लेख-कार्य कहियो रूकल नहि। मृत्युक समयसँ किछु दिन पूर्व धरि ई आत्मकथा लिखैत रहलाह जे पछाति 'जीवन-यात्रा'क नामसँ प्रकाशित भेल। हिनक विशिष्ट मैथिल-सेवाक कारणेँ पटनाक मैथिल गोष्ठी द्वारा 1963 ई. मे एक गोट विशाल अभिनन्दन ग्रन्थ हिनका समर्पित कयल गेल। दीर्घ आकारक 518 पृष्ठक ओहि अभिनन्दन-ग्रन्थमे एकानबे रचनाकारक 106 गोट रचना संकलित अछि।

हिनक प्रकाशित कृति अछि - कन्यादान (1933), द्विरागमन (1943) - उपन्यास; प्रणम्य देवता (1945), रंगशाला (1950) - कथा-संग्रह; खट्टरककाक तरंग (1949)-व्यंग्य; चर्चरी (1960) - विविध; जीवन-यात्रा (1984) - आत्मकथा। एकर अतिरिक्त, संगृहीत-असंगृहीत एगारह गोट बीछल कथाक संग्रह 'एकादशी'क नामसँ सेहो प्रकाशित भेल अछि। हिनक अनेक पोथीक अनेक संस्करण भेल अछि।

हरिमोहन झाक जन्म वर्ष अछि :

(1) 1909 ई.

(2) 1911 ई.

(3) 1908 ई.

(4) 1906 ई.

Options :

5402503933. 1

5402503934. 2

5402503935. 3

5402503936. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

Question Number : 15 Question Id : 540250985 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp2

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कैं ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

मैथिलीमे विशाल पाठकक वर्गकैं तैयार करबामे, एकर साहित्यकैं भाषान्तरमे सम्मान देअयबामे तथा एकर लोकप्रियता बढ़यबामे, आधुनिक कालमे जँ ककरो एक गोटाकैं श्रेय देल जायत तँ ओ ओहताह प्रोफेसर हरिमोहन झा। वस्तुत: यैह अपन रंग विरंगक रचना सँ रूढ़ि पर कठोर प्रहार कऽ मिथिलाक जड़ता कैं भंग कयलनि तथा हिनके उपन्यास-कथा सभसँ प्रेरणा लऽ मिथिलाक ललनालोकनि समाजक विकासमे अपनाकैं समर्थ प्रमाणित कयलनि। योग्य पिता पं. जनार्दन झा 'जनसीदन' क सुयोग्य पुत्र प्रो. हरिमोहन झा मैथिली साहित्यमे एक नवीन विधा-व्यंग्य-क सृष्टि कयलनि तथा 'खट्टर ककाक तरंग'क रचना कऽ तकरा पुष्टो कऽ देलनि।

हिनक जन्म वैशाली जिलाक कुमर बाजितपुर गाममे 18 सितम्बर 1908 ई. के भेलनि। ई अत्यन्त मेधावी छात्र छलाह तथा दर्शनशास्त्रमे एम.ए. कऽ पहिने पटनाक बी.एन. कालेज, पुन: पटना कालेज, तदनन्तर पटना विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर विभागमे अध्यापन कयलनि। दर्शन-विभागाध्यक्षक पदसँ सेवा-निवृत भेलाक बादो पाँच वर्ष धरि विश्वविद्यालय-सेवा-आयोगक (Research Professor) रहलाह। हिनक निधन 23 फरवरी 1984 कैं दरभंगा मे भऽ गेलनि।

हिनक लेख-कार्य कहियो रूकल नहि। मृत्युक समयसँ किछु दिन पूर्व धरि ई आत्मकथा लिखैत रहलाह जे पछाति 'जीवन-यात्रा'क नामसँ प्रकाशित भेल। हिनक विशिष्ट मैथिल-सेवाक कारणेँ पटनाक मैथिल गोष्ठी द्वारा 1963 ई. मे एक गोट विशाल अभिनन्दन ग्रन्थ हिनका समर्पित कयल गेल। दीर्घ आकारक 518 पृष्ठक ओहि अभिनन्दन-ग्रन्थमे एकानबे रचनाकारक 106 गोट रचना संकलित अछि।

हिनक प्रकाशित कृति अछि - कन्यादान (1933), द्विरागमन (1943) - उपन्यास; प्रणम्य देवता (1945), रंगशाला (1950) - कथा-संग्रह; खट्टरककाक तरंग (1949)-व्यंग्य; चर्चरी (1960) - विविध; जीवन-यात्रा (1984) - आत्मकथा। एकर अतिरिक्त, संगृहीत-असंगृहीत एगारह गोट बीछल कथाक संग्रह 'एकादशी'क नामसँ सेहो प्रकाशित भेल अछि। हिनक अनेक पोथीक अनेक संस्करण भेल अछि।

downloaded from StudentSuvidha.com

हरिमोहन झा प्राध्यापक छलाह?

(1) हिन्दीक

(2) मैथिलीक

(3) अँग्रेजीक

(4) दर्शनशास्त्रक

Options :

5402503937. 1

5402503938. 2

5402503939. 3

5402503940. 4

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

Question Number : 16 Question Id : 540250986 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp2

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कें ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

मैथिलीमे विशाल पाठकक वर्गकें तैयार करबामे, एकर साहित्यकें भाषान्तरमे सम्मान देअयबामे तथा एकर लोकप्रियता बढ़यबामे, आधुनिक कालमे जँ ककरो एक गोटाकें श्रेय देल जायत तँ ओ ओहताह प्रोफेसर हरिमोहन झा। वस्तुत: यैह अपन रंग विरंगक रचना सँ रूढ़ि पर कठोर प्रहार कऽ मिथिलाक जड़ता कें भंग कयलनि तथा हिनके उपन्यास-कथा सभसँ प्रेरणा लऽ मिथिलाक ललनालोकनि समाजक विकासमे अपनाकें समर्थ प्रमाणित कयलनि। योग्य पिता पं. जनार्दन झा 'जनसीदन' क सुयोग्य पुत्र प्रो. हरिमोहन झा मैथिली साहित्यमे एक नवीन विधा-व्यंग्य-क सृष्टि कयलनि तथा 'खट्टर ककाक तरंग'क रचना कऽ तकरा पुष्टो कऽ देलनि।

हिनक जन्म वैशाली जिलाक कुमर बाजितपुर गाममे 18 सितम्बर 1908 ई. के भेलनि। ई अत्यन्त मेधावी छात्र छलाह तथा दर्शनशास्त्रमे एम.ए. कऽ पहिने पटनाक बी.एन. कालेज, पुन: पटना कालेज, तदनन्तर पटना विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर विभागमे अध्यापन कयलनि। दर्शन-विभागाध्यक्षक पदसँ सेवा-निवृत भेलाक बादो पाँच वर्ष धरि विश्वविद्यालय-सेवा-आयोगक (Research Professor) रहलाह। हिनक निधन 23 फरवरी 1984 कें दरभंगा मे भऽ गेलनि।

हिनक लेख-कार्य कहियो रूकल नहि। मृत्युक समयसँ किछु दिन पूर्व धरि ई आत्मकथा लिखैत रहलाह जे पछाति 'जीवन-यात्रा'क नामसँ प्रकाशित भेल। हिनक विशिष्ट मैथिल-सेवाक कारणेँ पटनाक मैथिल गोष्ठी द्वारा 1963 ई. मे एक गोट विशाल अभिनन्दन ग्रन्थ हिनका समर्पित कयल गेल। दीर्घ आकारक 518 पृष्ठक ओहि अभिनन्दन-ग्रन्थमे एकानबे रचनाकारक 106 गोट रचना संकलित अछि।

हिनक प्रकाशित कृति अछि - कन्यादान (1933), द्विरागमन (1943) - उपन्यास; प्रणम्य देवता (1945), रंगशाला (1950) - कथा-संग्रह; खट्टरककाक तरंग (1949)-व्यंग्य; चर्चरी (1960) - विविध; जीवन-यात्रा (1984) - आत्मकथा। एकर अतिरिक्त, संगृहीत-असंगृहीत एगारह गोट बीछल कथाक संग्रह 'एकादशी'क नामसँ सेहो प्रकाशित भेल अछि। हिनक अनेक पोथीक अनेक संस्करण भेल अछि।

हरिमोहन झाक उपन्यास प्रकाशित छनि :

(1) एक गोट

(2) दू गोट

(3) तीन गोट

(4) चारि गोट

Options :

5402503941. 1

5402503942. 2

5402503943. 3

5402503944. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

Question Number : 17 Question Id : 540250987 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp2

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कें ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

मैथिलीमे विशाल पाठकक वर्गकें तैयार करबामे, एकर साहित्यकें भाषान्तरमे सम्मान देअयबामे तथा एकर लोकप्रियता बढ़यबामे, आधुनिक कालमे जँ ककरो एक गोटाकें श्रेय देल जायत तँ ओ ओहताह प्रोफेसर हरिमोहन झा। वस्तुत: यैह अपन रंग विरंगक रचना सँ रूढ़ि पर कठोर प्रहार कऽ मिथिलाक जड़ता कें भंग कयलनि तथा हिनके उपन्यास-कथा सभसँ प्रेरणा लऽ मिथिलाक ललनालोकनि समाजक विकासमे अपनाकें समर्थ प्रमाणित कयलनि। योग्य पिता पं. जनार्दन झा 'जनसीदन' क सुयोग्य पुत्र प्रो. हरिमोहन झा मैथिली साहित्यमे एक नवीन विधा-व्यंग्य-क सृष्टि कयलनि तथा 'खट्टर ककाक तरंग'क रचना कऽ तकरा पुष्टो कऽ देलनि।

हिनक जन्म वैशाली जिलाक कुमर बाजितपुर गाममे 18 सितम्बर 1908 ई. के भेलनि। ई अत्यन्त मेधावी छात्र छलाह तथा दर्शनशास्त्रमे एम.ए. कऽ पहिने पटनाक बी.एन. कालेज, पुन: पटना कालेज, तदनन्तर पटना विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर विभागमे अध्यापन कयलनि। दर्शन-विभागाध्यक्षक पदसँ सेवा-निवृत भेलाक बादो पाँच वर्ष धरि विश्वविद्यालय-सेवा-आयोगक (Research Professor) रहलाह। हिनक निधन 23 फरवरी 1984 कें दरभंगा मे भऽ गेलनि।

हिनक लेख-कार्य कहियो रूकल नहि। मृत्युक समयसँ किछु दिन पूर्व धरि ई आत्मकथा लिखैत रहलाह जे पछाति 'जीवन-यात्रा'क नामसँ प्रकाशित भेल। हिनक विशिष्ट मैथिल-सेवाक कारणेँ पटनाक मैथिल गोष्ठी द्वारा 1963 ई. मे एक गोट विशाल अभिनन्दन ग्रन्थ हिनका समर्पित कयल गेल। दीर्घ आकारक 518 पृष्ठक ओहि अभिनन्दन-ग्रन्थमे एकानबे रचनाकारक 106 गोट रचना संकलित अछि।

हिनक प्रकाशित कृति अछि - कन्यादान (1933), द्विरागमन (1943) - उपन्यास; प्रणम्य देवता (1945), रंगशाला (1950) - कथा-संग्रह; खट्टरककाक तरंग (1949)-व्यंग्य; चर्चरी (1960) - विविध; जीवन-यात्रा (1984) - आत्मकथा। एकर अतिरिक्त, संगृहीत-असंगृहीत एगारह गोट बीछल कथाक संग्रह 'एकादशी'क नामसँ सेहो प्रकाशित भेल अछि। हिनक अनेक पोथीक अनेक संस्करण भेल अछि।

'कन्यादान'क प्रकाशन भेल ?

(1) 1933 ई. मे

(2) 1935 ई. मे

(3) 1942 ई. मे

(4) 1939 ई. मे

Options :

5402503945. 1

5402503946. 2

5402503947. 3

5402503948. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Question Number : 18 Question Id : 540250988 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp2

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कें ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

मैथिलीमे विशाल पाठकक वर्गकें तैयार करबामे, एकर साहित्यकें भाषान्तरमे सम्मान देअयबामे तथा एकर लोकप्रियता बढ़यबामे, आधुनिक कालमे जँ ककरो एक गोटाकें श्रेय देल जायत तँ ओ ओहताह प्रोफेसर हरिमोहन झा। वस्तुत: यैह अपन रंग विरंगक रचना सँ रूढ़ि पर कठोर प्रहार कऽ मिथिलाक जड़ता कें भंग कयलनि तथा हिनके उपन्यास-कथा सभसँ प्रेरणा लऽ मिथिलाक ललनालोकनि समाजक विकासमे अपनाकें समर्थ प्रमाणित कयलनि। योग्य पिता पं. जनार्दन झा 'जनसीदन' क सुयोग्य पुत्र प्रो. हरिमोहन झा मैथिली साहित्यमे एक नवीन विधा-व्यंग्य-क सृष्टि कयलनि तथा 'खट्टर ककाक तरंग'क रचना कऽ तकरा पुष्टो कऽ देलनि।

हिनक जन्म वैशाली जिलाक कुमर बाजितपुर गाममे 18 सितम्बर 1908 ई. के भेलनि। ई अत्यन्त मेधावी छात्र छलाह तथा दर्शनशास्त्रमे एम.ए. कऽ पहिने पटनाक बी.एन. कालेज, पुन: पटना कालेज, तदनन्तर पटना विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर विभागमे अध्यापन कयलनि। दर्शन-विभागाध्यक्षक पदसँ सेवा-निवृत भेलाक बादो पाँच वर्ष धरि विश्वविद्यालय-सेवा-आयोगक (Research Professor) रहलाह। हिनक निधन 23 फरवरी 1984 कें दरभंगा मे भऽ गेलनि।

हिनक लेख-कार्य कहियो रूकल नहि। मृत्युक समयसँ किछु दिन पूर्व धरि ई आत्मकथा लिखैत रहलाह जे पछाति 'जीवन-यात्रा'क नामसँ प्रकाशित भेल। हिनक विशिष्ट मैथिल-सेवाक कारणेँ पटनाक मैथिल गोष्ठी द्वारा 1963 ई. मे एक गोट विशाल अभिनन्दन ग्रन्थ हिनका समर्पित कयल गेल। दीर्घ आकारक 518 पृष्ठक ओहि अभिनन्दन-ग्रन्थमे एकानबे रचनाकारक 106 गोट रचना संकलित अछि।

हिनक प्रकाशित कृति अछि - कन्यादान (1933), द्विरागमन (1943) - उपन्यास; प्रणम्य देवता (1945), रंगशाला (1950) - कथा-संग्रह; खट्टरककाक तरंग (1949)-व्यंग्य; चर्चरी (1960) - विविध; जीवन-यात्रा (1984) - आत्मकथा। एकर अतिरिक्त, संगृहीत-असंगृहीत एगारह गोट बीहिन कथाक संग्रह 'एकादशी'क नामसँ सेहो प्रकाशित भेल अछि। हिनक अनेक पोथीक अनेक संस्करण भेल अछि।

मैथिली सेवाक कारणेँ हरिमोहन झा कें समर्पित कएल गेल :

(1) जीवनयात्रा

(2) रंगशाला

(3) मैथिली गोष्ठी सँ अभिनन्दन-ग्रन्थ

(4) मैथिली अकादमी सँ खट्टरककाक तरंग

Options :

5402503949. 1

5402503950. 2

5402503951. 3

5402503952. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

Question Number : 19 Question Id : 540250989 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp2

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कें ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

मैथिलीमे विशाल पाठकक वर्गकें तैयार करबामे, एकर साहित्यकें भाषान्तरमे सम्मान देअयबामे तथा एकर लोकप्रियता बढ़यबामे, आधुनिक कालमे जँ ककरो एक गोटाकें श्रेय देल जायत तँ ओ ओहताह प्रोफेसर हरिमोहन झा। वस्तुतः यैह अपन रंग विरंगक रचना सँ रूढ़ि पर कठोर प्रहार कऽ मिथिलाक जड़ता कें भंग कयलनि तथा हिनके उपन्यास-कथा सभसँ प्रेरणा लऽ मिथिलाक ललनालोकनि समाजक विकासमे अपनाकें समर्थ प्रमाणित कयलनि। योग्य पिता पं. जनार्दन झा 'जनसीदन' क सुयोग्य पुत्र प्रो. हरिमोहन झा मैथिली साहित्यमे एक नवीन विधा-व्यंग्य-क सृष्टि कयलनि तथा 'खट्टर ककाक तरंग'क रचना कऽ तकरा पुष्टो कऽ देलनि।

हिनक जन्म वैशाली जिलाक कुमर बाजितपुर गाममे 18 सितम्बर 1908 ई. के भेलनि। ई अत्यन्त मेधावी छात्र छलाह तथा दर्शनशास्त्रमे एम.ए. कऽ पहिने पटनाक बी.एन. कालेज, पुनः पटना कालेज, तदनन्तर पटना विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर विभागमे अध्यापन कयलनि। दर्शन-विभागाध्यक्षक पदसँ सेवा-निवृत भेलाक बादो पाँच वर्ष धरि विश्वविद्यालय-सेवा-आयोगक (Research Professor) रहलाह। हिनक निधन 23 फरवरी 1984 कें दरभंगा मे भऽ गेलनि।

हिनक लेख-कार्य कहियो रूकल नहि। मृत्युक समयसँ किछु दिन पूर्व धरि ई आत्मकथा लिखैत रहलाह जे पछाति 'जीवन-यात्रा'क नामसँ प्रकाशित भेल। हिनक विशिष्ट मैथिल-सेवाक कारणेँ पटनाक मैथिल गोष्ठी द्वारा 1963 ई. मे एक गोट विशाल अभिनन्दन ग्रन्थ हिनका समर्पित कयल गेल। दीर्घ आकारक 518 पृष्ठक ओहि अभिनन्दन-ग्रन्थमे एकानबे रचनाकारक 106 गोट रचना संकलित अछि।

हिनक प्रकाशित कृति अछि - कन्यादान (1933), द्विरागमन (1943) - उपन्यास; प्रणम्य देवता (1945), रंगशाला (1950) - कथा-संग्रह; खट्टरककाक तरंग (1949)-व्यंग्य; चर्चरी (1960) - विविध; जीवन-यात्रा (1984) - आत्मकथा। एकर अतिरिक्त, संगृहीत-असंगृहीत एगारह गोट बीछल कथाक संग्रह 'एकादशी'क नामसँ सेहो प्रकाशित भेल अछि। हिनक अनेक पोथीक अनेक संस्करण भेल अछि।

'जीवन यात्रा' कोन विधाक पोथी थिक?

(1) कथा

(2) आत्मकथा

(3) नाटक

(4) उपन्यास

Options :

5402503953. 1

5402503954. 2

5402503955. 3

5402503956. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

Question Number : 20 Question Id : 540250990 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	Comp2

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कैं ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

मैथिलीमे विशाल पाठकक वर्गकैं तैयार करबामे, एकर साहित्यकैं भाषान्तरमे सम्मान देअयबामे तथा एकर लोकप्रियता बढ़यबामे, आधुनिक कालमे जँ ककरो एक गोटाकैं श्रेय देल जायत तँ ओ ओहताह प्रोफेसर हरिमोहन झा। वस्तुत: यैह अपन रंग विरंगक रचना सँ रूढ़ि पर कठोर प्रहार कऽ मिथिलाक जड़ता कैं भंग कयलनि तथा हिनके उपन्यास-कथा सभसँ प्रेरणा लऽ मिथिलाक ललनालोकनि समाजक विकासमे अपनाकैं समर्थ प्रमाणित कयलनि। योग्य पिता पं. जनार्दन झा 'जनसीदन' क सुयोग्य पुत्र प्रो. हरिमोहन झा मैथिली साहित्यमे एक नवीन विधा-व्यंग्य-क सृष्टि कयलनि तथा 'खट्टर ककाक तरंग'क रचना कऽ तकरा पुष्टो कऽ देलनि।

हिनक जन्म वैशाली जिलाक कुमर बाजितपुर गाममे 18 सितम्बर 1908 ई. के भेलनि। ई अत्यन्त मेधावी छात्र छलाह तथा दर्शनशास्त्रमे एम.ए. कऽ पहिने पटनाक बी.एन. कालेज, पुन: पटना कालेज, तदनन्तर पटना विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर विभागमे अध्यापन कयलनि। दर्शन-विभागाध्यक्षक पदसँ सेवा-निवृत भेलाक बादो पाँच वर्ष धरि विश्वविद्यालय-सेवा-आयोगक (Research Professor) रहलाह। हिनक निधन 23 फरवरी 1984 कैं दरभंगा मे भऽ गेलनि।

हिनक लेख-कार्य कहियो रूकल नहि। मृत्युक समयसँ किछु दिन पूर्व धरि ई आत्मकथा लिखैत रहलाह जे पछाति 'जीवन-यात्रा'क नामसँ प्रकाशित भेल। हिनक विशिष्ट मैथिल-सेवाक कारणेँ पटनाक मैथिल गोष्ठी द्वारा 1963 ई. मे एक गोट विशाल अभिनन्दन ग्रन्थ हिनका समर्पित कयल गेल। दीर्घ आकारक 518 पृष्ठक ओहि अभिनन्दन-ग्रन्थमे एकानबे रचनाकारक 106 गोट रचना संकलित अछि।

हिनक प्रकाशित कृति अछि - कन्यादान (1933), द्विरागमन (1943) - उपन्यास; प्रणम्य देवता (1945), रंगशाला (1950) - कथा-संग्रह; खट्टरककाक तरंग (1949)-व्यंग्य, चर्चरी (1960) - विविध; जीवन-यात्रा (1984) - आत्मकथा। एकर अतिरिक्त, संगृहीत-असंगृहीत एगारह गोट बीछल कथाक संग्रह 'एकादशी'क नामसँ सेहो प्रकाशित भेल अछि। हिनक अनेक पोथीक अनेक संस्करण भेल अछि।

हरिमोहन झाक मृत्यु वर्ष अछि :

(1) 1981 ई.

(2) 1986 ई.

(3) 1985 ई.

(4) 1984 ई.

Options :

5402503957. 1

5402503958. 2

5402503959. 3

5402503960. 4

Sub-Section Number : 3

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

Sub-Section Id : 54025052

Question Shuffling Allowed : No

Is Section Default? : null

Question Number : 21 Question Id : 540250991 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp3

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कैं ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

प्रारंभिक कालमे सूर्यवंशीय राजा निमिक पुत्र मिथि भेलाह। हुनकहि नाम पर एहि भूमिक नाम पड़ल मिथिला। उत्तरमे हिमालय, दक्षिणमे गंगा, पूबमे कोशी आ पश्चिममे गंडकी धरि एकर विस्तृत सीमाक उल्लेख मिथिलाक प्रख्यात विद्वान् कवीश्वर चन्दा झा अपन काव्यमे कयलनि अछि।

राजा जनक ब्रह्मज्ञानी आ कर्मयोगी राजा छलाह। हिनक राज्यकालमे सर्वत्र शान्ति आ सद्भाव पसरल छल। अनेकानेक यज्ञक कर्ता आ संरक्षक छलाह। प्रजापालक राजा सीरध्वज जनकक पुत्री सीताक विवाह अयोध्या नरेश दशरथक पुत्र श्रीरामसँ भेल। राजा जनक 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' कैं आधार बनाय राज्यकार्य कयलनि आ प्रजाक संग यथोचित व्यवहार कयलनि। जनकाधीन राज्यक चतुर्दिक विकास भेल आ शासन पद्धति, राजनीति, अर्थनीति, दण्डनीति, समाज विकासनीति, विद्या प्रचार आदि खूब भेल। मानव जीवनक चारित्रिक एवं बौद्धिक विकास चरमोत्कर्ष पर छल। विश्वक प्रथम दार्शनिक राजा जनक आओर याज्ञवल्क्यक दर्शन तथा ज्ञानक आलोकसँ सम्पूर्ण आर्यावर्त आलोकित छल।

जनक वंशक अन्तिम राजा कराल जनकक संग एहि वंशक अन्त भऽ गेल। सहस्रो वर्ष धरि मिथिला राजक स्वतंत्र अस्तित्वक इतिहास नहि भेटैछ। जनक राजवंश तथा वज्जि महासंघक विघटनक समयसँ कर्णाट वंशक शासनक पूर्व धरि मिथिलाक इतिहास निरन्तर पराजय तथा दासताक इतिहास रहल।

जाहि समयमे नान्यदेव सिंहासनारूढ़ भेलाह ताहि समयमे मिथिला राज्य अपन पड़ोसी राज्य नेपाल, बंगाल, दक्षिण बिहारक पाल तथा काशी-कन्नौजक गढ़वाल राज्यसँ आक्रांत छल। मुदा नान्यदेव अपन कुशल रणनीति आ पराक्रमसँ मिथिला राज्यकैं सुरक्षा प्रदान कयलनि। ई शूर रणकुशल ओ विद्वान् तँ छलाहे, कला-मर्मज्ञ, साहित्य-रसिक ओ संगीत शास्त्रक ज्ञाताक संग-संग वैदुष्य ओ कलाकारक सहृदय संरक्षक सेहो। इतिहासकार लोकनि हिनक शासनकाल पचास वर्षक (प्राय: 1147 ई. धरि) मानलनि अछि। एहि अन्तरालमे हिनक नेपाल-विजयक सूचना सेहो भेटैत अछि। हिनका दू गोट पुत्र छलथिन- 1. मल्लदेव आ 2. गंगदेव। मल्लदेव शूरवीर आ पराक्रमी छलाह मुदा किछु कारणवश पिताक विरुद्ध भऽ विभिन्न राज्याधिपतिक आश्रित भऽ रहलाह।

राजा निमि छलाह -

(1) चन्द्रवंशी

(2) मौर्यवंशी

(3) सूर्यवंशी

(4) रघुवंशी

Options :

5402503961. 1

5402503962. 2

5402503963. 3

5402503964. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

Question Number : 22 Question Id : 540250992 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp3

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कें ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

प्रारंभिक कालमे सूर्यवंशीय राजा निमिक पुत्र मिथि भेलाह। हुनकहि नाम पर एहि भूमिक नाम पड़ल मिथिला। उत्तरमे हिमालय, दक्षिणमे गंगा, पूबमे कोशी आ पश्चिममे गंडकी धरि एकर विस्तृत सीमाक उल्लेख मिथिलाक प्रख्यात विद्वान् कवीश्वर चन्दा झा अपन काव्यमे कयलनि अछि।

राजा जनक ब्रह्मज्ञानी आ कर्मयोगी राजा छलाह। हिनक राज्यकालमे सर्वत्र शान्ति आ सद्भाव पसरल छल। अनेकानेक यज्ञक कर्ता आ संरक्षक छलाह। प्रजापालक राजा सीरध्वज जनकक पुत्री सीताक विवाह अयोध्या नरेश दशरथक पुत्र श्रीरामसँ भेल। राजा जनक 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' कें आधार बनाय राज्यकार्य कयलनि आ प्रजाक संग यथोचित व्यवहार कयलनि। जनकाधीन राज्यक चतुर्दिक विकास भेल आ शासन पद्धति, राजनीति, अर्थनीति, दण्डनीति, समाज विकासनीति, विद्या प्रचार आदि खूब भेल। मानव जीवनक चारित्रिक एवं बौद्धिक विकास चरमोत्कर्ष पर छल। विश्वक प्रथम दार्शनिक राजा जनक आओर याज्ञवल्क्यक दर्शन तथा ज्ञानक आलोकसँ सम्पूर्ण आर्यावर्त आलोकित छल।

जनक वंशक अन्तिम राजा कराल जनकक संग एहि वंशक अन्त भऽ गेल। सहस्रो वर्ष धरि मिथिला राजक स्वतंत्र अस्तित्वक इतिहास नहि भेटैछ। जनक राजवंश तथा वज्जि महासंघक विघटनक समयसँ कर्णाट वंशक शासनक पूर्व धरि मिथिलाक इतिहास निरन्तर पराजय तथा दासताक इतिहास रहल।

जाहि समयमे नान्यदेव सिंहासनारूढ़ भेलाह ताहि समयमे मिथिला राज्य अपन पड़ोसी राज्य नेपाल, बंगाल, दक्षिण बिहारक पाल तथा काशी-कन्नौजक गढ़वाल राज्यसँ आक्रांत छल। मुदा नान्यदेव अपन कुशल रणनीति आ पराक्रमसँ मिथिला राज्यकँ सुरक्षा प्रदान कयलनि। ई शूर रणकुशल ओ विद्वान् तँ छलाहे, कला-मर्मज्ञ, साहित्य-रसिक ओ संगीत शास्त्रक ज्ञाताक संग-संग वैदुष्य ओ कलाकारक सहृदय संरक्षक सेहो। इतिहासकार लोकनि हिनक शासनकाल पचास वर्षक (प्राय: 1147 ई. धरि) माननि अछि। एहि अन्तरालमे हिनक नेपाल-विजयक सूचना सेहो भेटैत अछि। हिनका दू गोट पुत्र छलथिन- 1. मल्लदेव आ 2. गंगदेव। मल्लदेव शूरवीर आ पराक्रमी छलाह मुदा किछु कारणवश पिताक विरुद्ध भऽ विभिन्न राज्याधिपतिक आश्रित भऽ रहलाह।

मिथिलाक दक्षिणमे नदी अछि :

(1) कोशी

(2) गंडक

(3) महानन्दा

(4) गंगा

Options :

5402503965. 1

5402503966. 2

5402503967. 3

5402503968. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

Question Number : 23 Question Id : 540250993 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	Comp3

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कैं ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

प्रारंभिक कालमे सूर्यवंशीय राजा निमिक पुत्र मिथि भेलाह। हुनकहि नाम पर एहि भूमिक नाम पड़ल मिथिला। उत्तरमे हिमालय, दक्षिणमे गंगा, पूबमे कोशी आ पश्चिममे गंडकी धरि एकर विस्तृत सीमाक उल्लेख मिथिलाक प्रख्यात विद्वान् कवीश्वर चन्दा झा अपन काव्यमे कयलनि अछि।

राजा जनक ब्रह्मज्ञानी आ कर्मयोगी राजा छलाह। हिनक राज्यकालमे सर्वत्र शान्ति आ सद्भाव पसरल छल। अनेकानेक यज्ञक कर्ता आ संरक्षक छलाह। प्रजापालक राजा सीरध्वज जनकक पुत्री सीताक विवाह अयोध्या नरेश दशरथक पुत्र श्रीरामसँ भेल। राजा जनक 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' कैं आधार बनाय राज्यकार्य कयलनि आ प्रजाक संग यथोचित व्यवहार कयलनि। जनकाधीन राज्यक चतुर्दिक विकास भेल आ शासन पद्धति, राजनीति, अर्थनीति, दण्डनीति, समाज विकासनीति, विद्या प्रचार आदि खूब भेल। मानव जीवनक चारित्रिक एवं बौद्धिक विकास चरमोत्कर्ष पर छल। विश्वक प्रथम दार्शनिक राजा जनक आओर याज्ञवल्क्यक दर्शन तथा ज्ञानक आलोकसँ सम्पूर्ण आर्यावर्त आलोकित छल।

जनक वंशक अन्तिम राजा कराल जनकक संग एहि वंशक अन्त भऽ गेल। सहस्रो वर्ष धरि मिथिला राजक स्वतंत्र अस्तित्वक इतिहास नहि भेटैछ। जनक राजवंश तथा वज्जि महासंघक विघटनक समयसँ कर्णाट वंशक शासनक पूर्व धरि मिथिलाक इतिहास निरन्तर पराजय तथा दासताक इतिहास रहल।

जाहि समयमे नान्यदेव सिंहासनारूढ़ भेलाह ताहि समयमे मिथिला राज्य अपन पड़ोसी राज्य नेपाल, बंगाल, दक्षिण बिहारक पाल तथा काशी-कन्नौजक गढ़वाल राज्यसँ आक्रांत छल। मुदा नान्यदेव अपन कुशल रणनीति आ पराक्रमसँ मिथिला राज्यकैं सुरक्षा प्रदान कयलनि। ई शूर रणकुशल ओ विद्वान् तँ छलाहे, कला-मर्मज्ञ, साहित्य-रसिक ओ संगीत शास्त्रक ज्ञाताक संग-संग वैदुष्य ओ कलाकारक सहृदय संरक्षक सेहो। इतिहासकार लोकनि हिनक शासनकाल पचास वर्षक (प्रायः 1147 ई. धरि) मानलनि अछि। एहि अन्तरालमे हिनक नेपाल विजयक सूचना सेहो भेटैत अछि। हिनका दू गोट पुत्र छलथिन- 1. मल्लदेव आ 2. गंगदेव। मल्लदेव शूरवीर आ पराक्रमी छलाह मुदा किछु कारणवश पिताक विरुद्ध भऽ विभिन्न राज्याधिपतिक आश्रित भऽ रहलाह।

downloaded from StudentSuvidha.com

मिथिलाक सीमाक उल्लेख कएने छथि?

(1) कालिदास

(2) विद्यापति

(3) लोचन

(4) चन्दा झा

Options :

5402503969. 1

5402503970. 2

5402503971. 3

5402503972. 4

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

Question Number : 24 Question Id : 540250994 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp3

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कें ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

प्रारंभिक कालमे सूर्यवंशीय राजा निमिक पुत्र मिथि भेलाह। हुनकहि नाम पर एहि भूमिक नाम पड़ल मिथिला। उत्तरमे हिमालय, दक्षिणमे गंगा, पूबमे कोशी आ पश्चिममे गंडकी धरि एकर विस्तृत सीमाक उल्लेख मिथिलाक प्रख्यात विद्वान् कवीश्वर चन्दा झा अपन काव्यमे कयलनि अछि।

राजा जनक ब्रह्मज्ञानी आ कर्मयोगी राजा छलाह। हिनक राज्यकालमे सर्वत्र शान्ति आ सद्भाव पसरल छल। अनेकानेक यज्ञक कर्ता आ संरक्षक छलाह। प्रजापालक राजा सीरध्वज जनकक पुत्री सीताक विवाह अयोध्या नरेश दशरथक पुत्र श्रीरामसँ भेल। राजा जनक 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' कें आधार बनाय राज्यकार्य कयलनि आ प्रजाक संग यथोचित व्यवहार कयलनि। जनकाधीन राज्यक चतुर्दिक विकास भेल आ शासन पद्धति, राजनीति, अर्थनीति, दण्डनीति, समाज विकासनीति, विद्या प्रचार आदि खूब भेल। मानव जीवनक चारित्रिक एवं बौद्धिक विकास चरमोत्कर्ष पर छल। विश्वक प्रथम दार्शनिक राजा जनक आओर याज्ञवल्क्यक दर्शन तथा ज्ञानक आलोकसँ सम्पूर्ण आर्यावर्त आलोकित छल।

जनक वंशक अन्तिम राजा कराल जनकक संग एहि वंशक अन्त भऽ गेल। सहस्रो वर्ष धरि मिथिला राजक स्वतंत्र अस्तित्वक इतिहास नहि भेटैछ। जनक राजवंश तथा वज्जि महासंघक विघटनक समयसँ कर्णाट वंशक शासनक पूर्व धरि मिथिलाक इतिहास निरन्तर पराजय तथा दासताक इतिहास रहल।

जाहि समयमे नान्यदेव सिंहासनारूढ़ भेलाह ताहि समयमे मिथिला राज्य अपन पड़ोसी राज्य नेपाल, बंगाल, दक्षिण बिहारक पाल तथा काशी-कन्नौजक गढ़वाल राज्यसँ आक्रांत छल। मुदा नान्यदेव अपन कुशल रणनीति आ पराक्रमसँ मिथिला राज्यकें सुरक्षा प्रदान कयलनि। ई शूर रणकुशल ओ विद्वान् तँ छलाहे, कला-मर्मज्ञ, साहित्य-रसिक ओ संगीत शास्त्रक ज्ञाताक संग-संग वैदुष्य ओ कलाकारक सहृदय संरक्षक सेहो। इतिहासकार लोकनि हिनक शासनकाल पचास वर्षक (प्राय: 1147 ई. धरि) मानलनि अछि। एहि अन्तरालमे हिनक नेपाल-विजयक सूचना सेहो भेटैत अछि। हिनका दू गोट पुत्र छलथिन- 1. मल्लदेव आ 2. गंगदेव। मल्लदेव शूरवीर आ पराक्रमी छलाह मुदा किछु कारणवश पिताक विरुद्ध भऽ विभिन्न राज्याधिपतिक आश्रित भऽ रहलाह।

राजा जनक राजा छलाह -

(1) यज्ञज्ञानी आ बुद्धिज्ञानी

(2) कर्मयोगी आ धर्मज्ञानी

(3) ब्रह्मज्ञानी आ कर्मयोगी

(4) धर्मज्ञानी आ ब्रह्मज्ञानी

Options :

5402503973. 1

5402503974. 2

5402503975. 3

5402503976. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

Question Number : 25 Question Id : 540250995 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp3

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कें ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

प्रारंभिक कालमे सूर्यवंशीय राजा निमिक पुत्र मिथि भेलाह। हुनकहि नाम पर एहि भूमिक नाम पड़ल मिथिला। उत्तरमे हिमालय, दक्षिणमे गंगा, पूबमे कोशी आ पश्चिममे गंडकी धरि एकर विस्तृत सीमाक उल्लेख मिथिलाक प्रख्यात विद्वान् कवीश्वर चन्दा झा अपन काव्यमे कयलनि अछि।

राजा जनक ब्रह्मज्ञानी आ कर्मयोगी राजा छलाह। हिनक राज्यकालमे सर्वत्र शान्ति आ सद्भाव पसरल छल। अनेकानेक यज्ञक कर्ता आ संरक्षक छलाह। प्रजापालक राजा सीरध्वज जनकक पुत्री सीताक विवाह अयोध्या नरेश दशरथक पुत्र श्रीरामसँ भेल। राजा जनक 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' कें आधार बनाय राज्यकार्य कयलनि आ प्रजाक संग यथोचित व्यवहार कयलनि। जनकाधीन राज्यक चतुर्दिक विकास भेल आ शासन पद्धति, राजनीति, अर्थनीति, दण्डनीति, समाज विकासनीति, विद्या प्रचार आदि खूब भेल। मानव जीवनक चारित्रिक एवं बौद्धिक विकास चरमोत्कर्ष पर छल। विश्वक प्रथम दार्शनिक राजा जनक आओर याज्ञवल्क्यक दर्शन तथा ज्ञानक आलोकसँ सम्पूर्ण आर्यावर्त आलोकित छल।

जनक वंशक अन्तिम राजा कराल जनकक संग एहि वंशक अन्त भऽ गेल। सहस्रो वर्ष धरि मिथिला राजक स्वतंत्र अस्तित्वक इतिहास नहि भेटैछ। जनक राजवंश तथा वज्जि महासंघक विघटनक समयसँ कर्णाट वंशक शासनक पूर्व धरि मिथिलाक इतिहास निरन्तर पराजय तथा दासताक इतिहास रहल।

जाहि समयमे नान्यदेव सिंहासनारूढ़ भेलाह ताहि समयमे मिथिला राज्य अपन पड़ोसी राज्य नेपाल, बंगाल, दक्षिण बिहारक पाल तथा काशी-कन्नौजक गढ़वाल राज्यसँ आक्रांत छल। मुदा नान्यदेव अपन कुशल रणनीति आ पराक्रमसँ मिथिला राज्यकें सुरक्षा प्रदान कयलनि। ई शूर रणकुशल ओ विद्वान् तँ छलाहे, कला-मर्मज्ञ, साहित्य-रसिक ओ संगीत शास्त्रक ज्ञाताक संग-संग वैदुष्य ओ कलाकारक सहृदय संरक्षक सेहो। इतिहासकार लोकनि हिनक शासनकाल पचास वर्षक (प्राय: 1147 ई. धरि) मानलनि अछि। एहि अन्तरालमे हिनक नेपाल-विजयक सूचना सेहो भेटैत अछि। हिनका दू गोट पुत्र छलथिन- 1. मल्लदेव आ 2. गंगदेव। मल्लदेव शूरवीर आ पराक्रमी छलाह मुदा किछु कारणवश पिताक विरुद्ध भऽ विभिन्न राज्याधिपतिक आश्रित भऽ रहलाह।

प्रजाक संग व्यवहार कएलनि :

(1) यथासम्भव

(2) यथोचित

(3) दुर्व्यवहार

(4) अनुचित

Options :

5402503977. 1

5402503978. 2

5402503979. 3

5402503980. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

Question Number : 26 Question Id : 540250996 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp3

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कैं ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

प्रारंभिक कालमे सूर्यवंशीय राजा निमिक पुत्र मिथि भेलाह। हुनकहि नाम पर एहि भूमिक नाम पड़ल मिथिला। उत्तरमे हिमालय, दक्षिणमे गंगा, पूबमे कोशी आ पश्चिममे गंडकी धरि एकर विस्तृत सीमाक उल्लेख मिथिलाक प्रख्यात विद्वान् कवीश्वर चन्दा झा अपन काव्यमे कयलनि अछि।

राजा जनक ब्रह्मज्ञानी आ कर्मयोगी राजा छलाह। हिनक राज्यकालमे सर्वत्र शान्ति आ सद्भाव पसरल छल। अनेकानेक यज्ञक कर्ता आ संरक्षक छलाह। प्रजापालक राजा सीरध्वज जनकक पुत्री सीताक विवाह अयोध्या नरेश दशरथक पुत्र श्रीरामसँ भेल। राजा जनक 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' कें आधार बनाय राज्यकार्य कयलनि आ प्रजाक संग यथोचित व्यवहार कयलनि। जनकाधीन राज्यक चतुर्दिक विकास भेल आ शासन पद्धति, राजनीति, अर्थनीति, दण्डनीति, समाज विकासनीति, विद्या प्रचार आदि खूब भेल। मानव जीवनक चारित्रिक एवं बौद्धिक विकास चरमोत्कर्ष पर छल। विश्वक प्रथम दार्शनिक राजा जनक आओर याज्ञवल्क्यक दर्शन तथा ज्ञानक आलोकसँ सम्पूर्ण आर्यावर्त आलोकित छल।

जनक वंशक अन्तिम राजा कराल जनकक संग एहि वंशक अन्त भऽ गेल। सहस्रो वर्ष धरि मिथिला राजक स्वतंत्र अस्तित्वक इतिहास नहि भेटैछ। जनक राजवंश तथा वज्जि महासंघक विघटनक समयसँ कर्णाट वंशक शासनक पूर्व धरि मिथिलाक इतिहास निरन्तर पराजय तथा दासताक इतिहास रहल।

जाहि समयमे नान्यदेव सिंहासनारूढ़ भेलाह ताहि समयमे मिथिला राज्य अपन पड़ोसी राज्य नेपाल, बंगाल, दक्षिण बिहारक पाल तथा काशी-कन्नौजक गढ़वाल राज्यसँ आक्रांत छल। मुदा नान्यदेव अपन कुशल रणनीति आ पराक्रमसँ मिथिला राज्यकैं सुरक्षा प्रदान कयलनि। ई शूर रणकुशल ओ विद्वान् तँ छलाहे, कला-मर्मज्ञ, साहित्य-रसिक ओ संगीत शास्त्रक ज्ञाताक संग-संग वैदुष्य ओ कलाकारक सहृदय संरक्षक सेहो। इतिहासकार लोकनि हिनक शासनकाल पचास वर्षक (प्राय: 1147 ई. धरि) मानलनि अछि। एहि अन्तरालमे हिनक नेपाल विजयक सूचना सेहो भेटैत अछि। हिनका दू गोट पुत्र छलथिन- 1. मल्लदेव आ 2. गंगदेव। मल्लदेव शूरवीर आ पराक्रमी छलाह मुदा किछु कारणवश पिताक विरुद्ध भऽ विभिन्न राज्याधिपतिक आश्रित भऽ रहलाह।

ब्रह्मज्ञानी आ कर्मयोगी राजा छलाह :

(1) सीरध्वज

(2) निमि

(3) जनक

(4) मिथि

Options :

5402503981. 1

5402503982. 2

5402503983. 3

5402503984. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

Question Number : 27 Question Id : 540250997 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp3

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कैं ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

प्रारंभिक कालमे सूर्यवंशीय राजा निमिक पुत्र मिथि भेलाह। हुनकहि नाम पर एहि भूमिक नाम पड़ल मिथिला। उत्तरमे हिमालय, दक्षिणमे गंगा, पूबमे कोशी आ पश्चिममे गंडकी धरि एकर विस्तृत सीमाक उल्लेख मिथिलाक प्रख्यात विद्वान् कवीश्वर चन्दा झा अपन काव्यमे कयलनि अछि।

राजा जनक ब्रह्मज्ञानी आ कर्मयोगी राजा छलाह। हिनक राज्यकालमे सर्वत्र शान्ति आ सद्भाव पसरल छल। अनेकानेक यज्ञक कर्ता आ संरक्षक छलाह। प्रजापालक राजा सीरध्वज जनकक पुत्री सीताक विवाह अयोध्या नरेश दशरथक पुत्र श्रीरामसँ भेल। राजा जनक 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' कैं आधार बनाय राज्यकार्य कयलनि आ प्रजाक संग यथोचित व्यवहार कयलनि। जनकाधीन राज्यक चतुर्दिक विकास भेल आ शासन पद्धति, राजनीति, अर्थनीति, दण्डनीति, समाज विकासनीति, विद्या प्रचार आदि खूब भेल। मानव जीवनक चारित्रिक एवं बौद्धिक विकास चरमोत्कर्ष पर छल। विश्वक प्रथम दार्शनिक राजा जनक आओर याज्ञवल्क्यक दर्शन तथा ज्ञानक आलोकसँ सम्पूर्ण आर्यावर्त आलोकित छल।

जनक वंशक अन्तिम राजा कराल जनकक संग एहि वंशक अन्त भऽ गेल। सहस्रो वर्ष धरि मिथिला राजक स्वतंत्र अस्तित्वक इतिहास नहि भेटैछ। जनक राजवंश तथा वज्जि महासंघक विघटनक समयसँ कर्णाट वंशक शासनक पूर्व धरि मिथिलाक इतिहास निरन्तर पराजय तथा दासताक इतिहास रहल।

जाहि समयमे नान्यदेव सिंहासनारूढ़ भेलाह ताहि समयमे मिथिला राज्य अपन पड़ोसी राज्य नेपाल, बंगाल, दक्षिण बिहारक पाल तथा काशी-कन्नौजक गढ़वाल राज्यसँ आक्रांत छल। मुदा नान्यदेव अपन कुशल रणनीति आ पराक्रमसँ मिथिला राज्यकैं सुरक्षा प्रदान कयलनि। ई शूर रणकुशल ओ विद्वान् तँ छलाहे, कला-मर्मज्ञ, साहित्य-रसिक ओ संगीत शास्त्रक ज्ञाता संग-संग वैदुष्य ओ कलाकारक सहृदय संरक्षक सेहो। इतिहासकार लोकनि हिनक शासनकाल पचास वर्षक (प्राय: 1147 ई. धरि) मानलनि अछि। एहि अन्तरालमे हिनक नेपाल-विजयक सूचना सेहो भेटैत अछि। हिनका दू गोट पुत्र छलथिन- 1. मल्लदेव आ 2. गंगदेव। मल्लदेव शूरवीर आ पराक्रमी छलाह मुदा किछु कारणवश पिताक विरुद्ध भऽ विभिन्न राज्याधिपतिक आश्रित भऽ रहलाह।

विश्वक पहिल दार्शनिक छलाह :

(1) मम्मट

(2) अरस्तू

(3) कौटिल्य

(4) जनक

Options :

5402503985. 1

5402503986. 2

5402503987. 3

5402503988. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

Question Number : 28 Question Id : 540250998 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp3

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कैं ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

प्रारंभिक कालमे सूर्यवंशीय राजा निमिक पुत्र मिथि भेलाह। हुनकहि नाम पर एहि भूमिक नाम पड़ल मिथिला। उत्तरमे हिमालय, दक्षिणमे गंगा, पूबमे कोशी आ पश्चिममे गंडकी धरि एकर विस्तृत सीमाक उल्लेख मिथिलाक प्रख्यात विद्वान् कवीश्वर चन्दा झा अपन काव्यमे कयलनि अछि।

राजा जनक ब्रह्मज्ञानी आ कर्मयोगी राजा छलाह। हिनक राज्यकालमे सर्वत्र शान्ति आ सद्भाव पसरल छल। अनेकानेक यज्ञक कर्ता आ संरक्षक छलाह। प्रजापालक राजा सीरध्वज जनकक पुत्री सीताक विवाह अयोध्या नरेश दशरथक पुत्र श्रीरामसँ भेल। राजा जनक 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' कैं आधार बनाय राज्यकार्य कयलनि आ प्रजाक संग यथोचित व्यवहार कयलनि। जनकाधीन राज्यक चतुर्दिक विकास भेल आ शासन पद्धति, राजनीति, अर्थनीति, दण्डनीति, समाज विकासनीति, विद्या प्रचार आदि खूब भेल। मानव जीवनक चारित्रिक एवं बौद्धिक विकास चरमोत्कर्ष पर छल। विश्वक प्रथम दार्शनिक राजा जनक आओर याज्ञवल्क्यक दर्शन तथा ज्ञानक आलोकसँ सम्पूर्ण आर्यावर्त आलोकित छल।

जनक वंशक अन्तिम राजा कराल जनकक संग एहि वंशक अन्त भऽ गेल। सहस्रो वर्ष धरि मिथिला राजक स्वतंत्र अस्तित्वक इतिहास नहि भेटैछ। जनक राजवंश तथा वज्जि महासंघक विघटनक समयसँ कर्णाट वंशक शासनक पूर्व धरि मिथिलाक इतिहास निरन्तर पराजय तथा दासताक इतिहास रहल।

जाहि समयमे नान्यदेव सिंहासनारूढ़ भेलाह ताहि समयमे मिथिला राज्य अपन पड़ोसी राज्य नेपाल, बंगाल, दक्षिण बिहारक पाल तथा काशी-कन्नौजक गढ़वाल राज्यसँ आक्रांत छल। मुदा नान्यदेव अपन कुशल रणनीति आ पराक्रमसँ मिथिला राज्यकैं सुरक्षा प्रदान कयलनि। ई शूर रणकुशल ओ विद्वान् तँ छलाहे, कला-मर्मज्ञ, साहित्य-रसिक ओ संगीत शास्त्रक ज्ञाताक संग-संग वैदुष्य ओ कलाकारक सहृदय संरक्षक सेहो। इतिहासकार लोकनि हिनक शासनकाल पचास वर्षक (प्राय: 1147 ई. धरि) मानलनि अछि। एहि अन्तरालमे हिनक नेपाल-विजयक सूचना सेहो भेटैत अछि। हिनका दू गोट पुत्र छलथिन- 1. मल्लदेव आ 2. गंगदेव। मल्लदेव शूरवीर आ पराक्रमी छलाह मुदा किछु कारणवश पिताक विरुद्ध भऽ विभिन्न राज्याधिपतिक आश्रित भऽ रहलाह।

राजा जनकक पुत्री छलीह -

(1) रुक्मिणी

(2) सीता

(3) शकुंतला

(4) मैत्रेयी

Options :

5402503989. 1

5402503990. 2

5402503991. 3

5402503992. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Question Number : 29 Question Id : 540250999 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp3

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कैं ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

प्रारंभिक कालमे सूर्यवंशीय राजा निमिक पुत्र मिथि भेलाह। हुनकहि नाम पर एहि भूमिक नाम पड़ल मिथिला। उत्तरमे हिमालय, दक्षिणमे गंगा, पूबमे कोशी आ पश्चिममे गंडकी धरि एकर विस्तृत सीमाक उल्लेख मिथिलाक प्रख्यात विद्वान् कवीश्वर चन्दा झा अपन काव्यमे कयलनि अछि।

राजा जनक ब्रह्मज्ञानी आ कर्मयोगी राजा छलाह। हिनक राज्यकालमे सर्वत्र शान्ति आ सद्भाव पसरल छल। अनेकानेक यज्ञक कर्ता आ संरक्षक छलाह। प्रजापालक राजा सीरध्वज जनकक पुत्री सीताक विवाह अयोध्या नरेश दशरथक पुत्र श्रीरामसँ भेल। राजा जनक 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' कैं आधार बनाय राज्यकार्य कयलनि आ प्रजाक संग यथोचित व्यवहार कयलनि। जनकाधीन राज्यक चतुर्दिक विकास भेल आ शासन पद्धति, राजनीति, अर्थनीति, दण्डनीति, समाज विकासनीति, विद्या प्रचार आदि खूब भेल। मानव जीवनक चारित्रिक एवं बौद्धिक विकास चरमोत्कर्ष पर छल। विश्वक प्रथम दार्शनिक राजा जनक आओर याज्ञवल्क्यक दर्शन तथा ज्ञानक आलोकसँ सम्पूर्ण आर्यावर्त आलोकित छल।

जनक वंशक अन्तिम राजा कराल जनकक संग एहि वंशक अन्त भऽ गेल। सहस्रो वर्ष धरि मिथिला राजक स्वतंत्र अस्तित्वक इतिहास नहि भेटैछ। जनक राजवंश तथा वज्जि महासंघक विघटनक समयसँ कर्णाट वंशक शासनक पूर्व धरि मिथिलाक इतिहास निरन्तर पराजय तथा दासताक इतिहास रहल।

जाहि समयमे नान्यदेव सिंहासनारूढ़ भेलाह ताहि समयमे मिथिला राज्य अपन पड़ोसी राज्य नेपाल, बंगाल, दक्षिण बिहारक पाल तथा काशी-कन्नौजक गढ़वाल राज्यसँ आक्रांत छल। मुदा नान्यदेव अपन कुशल रणनीति आ पराक्रमसँ मिथिला राज्यकैं सुरक्षा प्रदान कयलनि। ई शूर रणकुशल ओ विद्वान् तँ छलाहे, कला-मर्मज्ञ, साहित्य-रसिक ओ संगीत शास्त्रक ज्ञाताक संग-संग वैदुष्य ओ कलाकारक सहृदय संरक्षक सेहो। इतिहासकार लोकनि हिनक शासनकाल पचास वर्षक (प्राय: 1147 ई. धरि) मानलनि अछि। एहि अन्तरालमे हिनक नेपाल विजयक सूचना सेहो भेटैत अछि। हिनका दू गोट पुत्र छलथिन- 1. मल्लदेव आ 2. गंगदेव। मल्लदेव शूरवीर आ पराक्रमी छलाह मुदा किछु कारणवश पिताक विरुद्ध भऽ विभिन्न राज्याधिपतिक आश्रित भऽ रहलाह।

नान्यदेव मिथिला राज्यकैं सुरक्षा प्रदान कएलनि :

(1) राजनीति आ शास्त्रनीतिसँ

(2) पराक्रम आ शासनसँ

(3) रणनीति आ पराक्रमसँ

(4) धर्मनीति आ समाजनीतिसँ

Options :

5402503993. 1

5402503994. 2

5402503995. 3

5402503996. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

Question Number : 30 Question Id : 5402501000 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	Comp3

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित गद्यांश कैं ध्यान सँ पढ़ू आ एहि मे सँ पूछल गेल सही उत्तर चयन करू :

प्रारंभिक कालमे सूर्यवंशीय राजा निमिक पुत्र मिथि भेलाह। हुनकहि नाम पर एहि भूमिक नाम पड़ल मिथिला। उत्तरमे हिमालय, दक्षिणमे गंगा, पूबमे कोशी आ पश्चिममे गंडकी धरि एकर विस्तृत सीमाक उल्लेख मिथिलाक प्रख्यात विद्वान् कवीश्वर चन्दा झा अपन काव्यमे कयलनि अछि।

राजा जनक ब्रह्मज्ञानी आ कर्मयोगी राजा छलाह। हिनक राज्यकालमे सर्वत्र शान्ति आ सद्भाव पसरल छल। अनेकानेक यज्ञक कर्ता आ संरक्षक छलाह। प्रजापालक राजा सीरध्वज जनकक पुत्री सीताक विवाह अयोध्या नरेश दशरथक पुत्र श्रीरामसँ भेल। राजा जनक 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' कैं आधार बनाय राज्यकार्य कयलनि आ प्रजाक संग यथोचित व्यवहार कयलनि। जनकाधीन राज्यक चतुर्दिक विकास भेल आ शासन पद्धति, राजनीति, अर्थनीति, दण्डनीति, समाज विकासनीति, विद्या प्रचार आदि खूब भेल। मानव जीवनक चारित्रिक एवं बौद्धिक विकास चरमोत्कर्ष पर छल। विश्वक प्रथम दार्शनिक राजा जनक आओर याज्ञवल्क्यक दर्शन तथा ज्ञानक आलोकसँ सम्पूर्ण आर्यावर्त आलोकित छल।

जनक वंशक अन्तिम राजा कराल जनकक संग एहि वंशक अन्त भऽ गेल। सहस्रो वर्ष धरि मिथिला राजक स्वतंत्र अस्तित्वक इतिहास नहि भेटैछ। जनक राजवंश तथा वज्जि महासंघक विघटनक समयसँ कर्णाट वंशक शासनक पूर्व धरि मिथिलाक इतिहास निरन्तर पराजय तथा दासताक इतिहास रहल।

जाहि समयमे नान्यदेव सिंहासनारूढ़ भेलाह ताहि समयमे मिथिला राज्य अपन पड़ोसी राज्य नेपाल, बंगाल, दक्षिण बिहारक पाल तथा काशी-कन्नौजक गढ़वाल राज्यसँ आक्रांत छल। मुदा नान्यदेव अपन कुशल रणनीति आ पराक्रमसँ मिथिला राज्यकैं सुरक्षा प्रदान कयलनि। ई शूर रणकुशल ओ विद्वान् तँ छलाहे, कला-मर्मज्ञ, साहित्य-रसिक ओ संगीत शास्त्रक ज्ञाता संग-संग वैदुष्य ओ कलाकारक सहृदय संरक्षक सेहो। इतिहासकार लोकनि हिनक शासनकाल पचास वर्षक (प्राय: 1147 ई. धरि) माननलि अछि। एहि अन्तरालमे हिनक नेपाल-विजयक सूचना सेहो भेटैत अछि। हिनका दू गोट पुत्र छलथिन- 1. मल्लदेव आ 2. गंगदेव। मल्लदेव शूरवीर आ पराक्रमी छलाह मुदा किछु कारणवश पिताक विरुद्ध भऽ विभिन्न राज्याधिपतिक आश्रित भऽ रहलाह।

इतिहासकार लोकनि हिनक शासनकाल मानल अछि :

(1) पैतालीस वर्षक

(2) पचास वर्षक

(3) पचपन वर्षक

(4) साठि वर्षक

Options :

5402503997. 1

5402503998. 2

5402503999. 3

5402504000. 4

Sub-Section Number : 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

Sub-Section Id :	54025053
Question Shuffling Allowed :	Yes
Is Section Default? :	null

Question Number : 31 Question Id : 5402501001 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

निम्नलिखित शब्द कँ सही क्रम मे सजाउ।

(A) भाषाक महत्व

(B) सदा

(C) जानय

(D) सौरभ कँ

(E) निज

सही उत्तरक चयन करू :

(1) (B), (D), (C), (A), (E)

(2) (C), (D), (B), (E), (A)

(3) (E), (A), (B), (D), (C)

(4) (D), (B), (A), (C), (E)

Options :

5402504001. 1

5402504002. 2

5402504003. 3

5402504004. 4

Question Number : 32 Question Id : 5402501002 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is

downloaded from StudentSuvidha.com

Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

निम्नलिखित शब्द कँ सही क्रम मे सजाउ।

(A) दुहु

(B) गेल

(C) मिलि

(D) सैसव

(E) यौवन

सही उत्तरक चयन करू :

(1) (D), (C), (B), (E), (A)

(2) (E), (A), (C), (B), (D)

(3) (D), (E), (A), (C), (B)

(4) (B), (E), (C), (A), (D)

downloaded from StudentSuvidha.com

Options :

5402504005. 1

5402504006. 2

5402504007. 3

5402504008. 4

Question Number : 33 Question Id : 5402501003 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

Comprehension	MCQ

निम्नलिखित शब्द कें सही क्रम मे सजाउ।

(A) हृदय हीनता

(B) खटकत

(C) जहिया–जहिया

(D) हम भेटब

(E) मोनक बाट पर

सही उत्तरक चयन करू :

(1) (A), (B), (D), (C), (E)
(2) (C), (B), (A), (E), (D)
(3) (C), (A), (B), (E), (D)
(4) (B), (C), (E), (D), (A)

Options :

5402504009. 1

5402504010. 2

5402504011. 3

5402504012. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Question Number : 34 Question Id : 5402501004 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित विलोम शब्दकँ मिलान करू।

	सूची-I		सूची-II
(A)	मान	(I)	कल्पना
(B)	भद्र	(II)	अपमान
(C)	बहार	(III)	अभद्र
(D)	यथार्थ	(IV)	पतझड़

सही उत्तरक चयन करू :

(1) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(II)

(2) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(3) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)

(4) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)

Options :

5402504013. 1

5402504014. 2

5402504015. 3

5402504016. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Question Number : 35 Question Id : 5402501005 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित विलोम शब्दकँ मिलान करू।

सूची-I		सूची-II	
(A)	घृणा	(I)	अल्पायु
(B)	खाद्य	(II)	नाफा
(C)	चिरायु	(III)	प्रेम
(D)	घाटा	(IV)	अखाद्य

सही उत्तरक चयन करू :

(1) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)

(2) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)

(3) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(III)

(4) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

Options :

5402504017. 1

5402504018. 2

5402504019. 3

5402504020. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Question Number : 36 Question Id : 5402501006 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	MCQ

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित लेखकक जन्मवर्षक संग सुमेलित करू।

	सूची-I		सूची-II
(A)	रामदेव झा	(I)	1920
(B)	हंसराज	(II)	1936
(C)	महमोहन झा	(III)	1945
(D)	उषाकिरण खान	(IV)	1938

सही उत्तरक चयन करू :

(1) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(III), (D)-(II)
(2) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(III)
(3) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(II)
(4) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(IV)

Options :

5402504021. 1

5402504022. 2

5402504023. 3

5402504024. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Question Number : 37 Question Id : 5402501007 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

निम्नलिखित रचना सँ रचनाकार कैं सुमेलित करू।

	सूची-I		सूची-II
(A)	मैथिली लिपिक संरक्षण	(I)	लक्ष्मीपति सिंह
(B)	साहित्यमे प्रयोगक वास्तविकता	(II)	जयदेव मिश्र
(C)	प्रवासी मैथिल समाज	(III)	उमेश मिश्र
(D)	महाराज लक्ष्मीश्वर सिंह	(IV)	आनन्द मिश्र

सही उत्तरक चयन करू :

(1) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)

(2) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)

(3) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)

(4) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

Options :

5402504025. 1

5402504026. 2

5402504027. 3

5402504028. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Question Number : 38 Question Id : 5402501008 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	MCQ

निम्नलिखित शब्दकेँ मिलान करू।

	सूची-I		सूची-II
(A)	देशज	(I)	दधि
(B)	तत्सम	(II)	कर्ज
(C)	तद्भव	(III)	भात
(D)	विदेशज	(IV)	जेठ

सही उत्तरक चयन करू :

(1) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(II)

(2) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(3) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)

(4) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)

Options :

5402504029. 1

5402504030. 2

5402504031. 3

5402504032. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Question Number : 39 Question Id : 5402501009 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	MCQ

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित वर्ण के उच्चारण स्थलक संग मिलान करू।

	सूची-I		**सूची-II**
(A)	न	(I)	तालु
(B)	ट	(II)	दन्त
(C)	आ	(III)	मूर्द्धा
(D)	ई	(IV)	कण्ठ

सही उत्तरक चयन करू :

(1) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(2) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)

(3) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(II)

(4) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(IV)

Options :

5402504033. 1

5402504034. 2

5402504035. 3

5402504036. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Question Number : 40 Question Id : 5402501010 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	MCQ

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार सँ पुरस्कृत रचनाकारक आरोही क्रम बताउ :-

(A) दीप नारायण विद्यार्थी

(B) नवकृष्ण ऐहिक

(C) प्रवीण कश्यप

(D) सोनू कुमार झा

(E) अरूणाभ सौरभ

सही उत्तरक चयन करू :

(1) (C), (A), (E), (B), (D)

(2) (E), (C), (A), (D), (B)

(3) (B), (C), (D), (E), (A)

(4) (A), (D), (E), (C), (B)

Options :

5402504037. 1

5402504038. 2

5402504039. 3

5402504040. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Question Number : 41 Question Id : 5402501011 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	MCQ

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

साहित्य अकादेमी पुरस्कार सँ पुरस्कृत उपन्यासक अवरोही क्रम बताउ।

(A) भामती

(B) मरीचिका

(C) उचाट

(D) नैका बनिजारा

(E) मंत्रपुत्र

सही उत्तरक चयन करू :

(1) (E), (A), (D), (B), (C)

(2) (C), (A), (E), (B), (D)

(3) (D), (B), (E), (A), (C)

(4) (B), (C), (A), (E), (D)

Options :

5402504041. 1

5402504042. 2

5402504043. 3

5402504044. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Question Number : 42 Question Id : 5402501012 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	MCQ

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित मे सँ विशेषणक चयन करू।

(A) देव

(B) पौराणिक

(C) व्यापार

(D) वार्षिक

(E) परीक्षा

सही उत्तरक चयन करू :

(1) केवल (A) आ (C)

(2) केवल (B) आ (D)

(3) केवल (C) आ (E)

(4) केवल (A) आ (B)

Options :

5402504045. 1

5402504046. 2

5402504047. 3

5402504048. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Question Number : 43 Question Id : 5402501013 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	MCQ

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित मे सँ विशेषणक चयन करू।

(A) शरीर

(B) चिंता

(C) मृदु

(D) लौकिक

(E) जातीय

सही उत्तरक चयन करू :

(1) केवल (A), (B) आ (C)

(2) केवल (C) आ (D)

(3) केवल (C), (D) आ (E)

(4) केवल (D) आ (E)

Options :

5402504049. 1

5402504050. 2

5402504051. 3

5402504052. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Question Number : 44 Question Id : 5402501014 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	Value
Comprehension	MCQ

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित मे सँ सही सन्धि-विच्छेदक चयन करू।

(A) उत + लेख = उल्लेख

(B) मातृ + आदेश = मात्रादेश

(C) परो + उपकार = परोपकार

(D) पौ + इत्र = पवित्र

(E) व्य + अर्थ = व्यर्थ

सही उत्तरक चयन करू :

(1) केवल (A) आ (C)

(2) केवल (B) आ (D)

(3) केवल (C) आ (E)

(4) केवल (E) आ (A)

Options :

5402504053. 1

5402504054. 2

5402504055. 3

5402504056. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Question Number : 45 Question Id : 5402501015 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	MCQ

निम्नलिखित मे सँ सही सन्धि-विच्छेदक चयन करू।

(A) सम् + गम - संगम

(B) उत + भव - उद्भव

(C) स्व + समा - सुषमा

(D) रत्ना + कर - रत्नाकर

(E) तत् + रूप - तद्रूप

सही उत्तरक चयन करू :

(1) केवल (A) आ (B)

(2) केवल (A) आ (C)

(3) केवल (A) आ (D)

(4) केवल (A) आ (E)

Options :

5402504057. 1

5402504058. 2

5402504059. 3

5402504060. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Question Number : 46 Question Id : 5402501016 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	MCQ

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित मे सँ सही सन्धि-विच्छेदक चयन करू :

(A) देव + ऋषि = देवर्षि

(B) स्व + आगत = स्वागत

(C) सु + आगत = स्वागत

(D) देव + रीषी = देवर्षि

(E) महा + इन्द्र = महेन्द्र

सही उत्तरक चयन करू :

(1) केवल (A), (B) आ (C)

(2) केवल (A), (C) आ (E)

(3) केवल (B), (D) आ (E)

(4) केवल (C), (D) आ (E)

Options :

5402504061. 1

5402504062. 2

5402504063. 3

5402504064. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Question Number : 47 Question Id : 5402501017 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	MCQ

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित मे सँ 'राज्यपाल' शब्दक पर्यायवाची शब्द अछि –

(A) कुलाधिपति

(B) माननीय

(C) महामहीम

(D) महिपाल

(E) निहंग

सही उत्तरक चयन करू :

(1) केवल (A) आ (B)

(2) केवल (A) आ (C)

(3) केवल (A) आ (D)

(4) केवल (A) आ (E)

Options :

5402504065. 1

5402504066. 2

5402504067. 3

5402504068. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Question Number : 48 Question Id : 5402501018 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	MCQ

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित मे सँ 'स्तुति' शब्दक पर्यायवाची शब्द अछि –

(A) पूजा

(B) विधि

(C) अराधना

(D) रीति

(E) वृत

सही उत्तरक चयन करू :

(1) केवल (A) आ (B)

(2) केवल (A) आ (C)

(3) केवल (A) आ (D)

(4) केवल (A) आ (E)

Options :

5402504069. 1

5402504070. 2

5402504071. 3

5402504072. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Question Number : 49 Question Id : 5402501019 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	MCQ

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित मे सँ 'बानर' शब्दक पर्यायवाची शब्द अछि –

(A) अज

(B) कपि

(C) मर्कट

(D) माधव

(E) मार्तण्ड

सही उत्तरक चयन करू :

(1) केवल (A) आ (D)

(2) केवल (C) आ (E)

(3) केवल (B) आ (C)

(4) केवल (A)

Options :

5402504073. 1

5402504074. 2

5402504075. 3

5402504076. 4

downloaded from StudentSuvidha.com

Question Number : 50 Question Id : 5402501020 Question Type : MCQ Option Shuffling : No Is Question Mandatory : No Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 5 Wrong Marks : 1

Question Key Details :

Key	**Value**
Comprehension	MCQ

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

निम्नलिखित मे सँ 'लहरि' शब्दक पर्यायवाची शब्द अछि :

(A) वचन

(B) तरंग

(C) वाहिनी

(D) तनुज

(E) पुस्तक

सही उत्तरक चयन करू :

(1) केवल (A), (B) आ (C)

(2) केवल (B)

(3) केवल (D) आ (E)

(4) केवल (E)

Options :

5402504077. 1

5402504078. 2

5402504079. 3

5402504080. 4

downloaded from StudentSuvidha.com